केरल पाठावली
हिंदी

कक्षा VI
Standard - 6

भाग 1

Kerala Reader
HINDI

केरल सरकार
शिक्षा विभाग
2025

राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद्
केरल, तिरुवनंतपुरम

राष्ट्रगान

जनगण-मन अधिनायक जय हे,
भारत-भाग्य-विधाता ।
पंजाब-सिंध-गुजरात-मराठा,
द्राविड़-उत्कल-बंगा
विंध्य-हिमाचल-यमुना-गंगा,
उच्छल जलधि तरंगा,
तव शुभ नामे जागे,
तव शुभ आशिष मागे,
गाहे तव जय-गाथा
जनगण-मंगलदायक जय हे,
भारत-भाग्य-विधाता ।
जय हे, जय हे, जय हे
जय जय जय, जय हे ।

प्रतिज्ञा

भारत हमारा देश है । हम सब भारतवासी भाई-बहन हैं । हमें अपना देश प्राणों से भी प्यारा है । इसकी समृद्धि और विविध संस्कृति पर हमें गर्व है । हम इसके सुयोग्य अधिकारी बनने का प्रयत्न सदा करते रहेंगे । हम अपने माता-पिता, शिक्षकों और गुरुजनों का आदर करेंगे और सबके साथ शिष्टता का व्यवहार करेंगे । हम अपने देश और देशवासियों के प्रति वफ़ादार रहने की प्रतिज्ञा करते हैं । उनके कल्याण और समृद्धि में ही हमारा सुख निहित है ।

Prepared by
State Council of Educational Research and Training(SCERT)
Poojappura, Thiruvananthapuram 695012, Kerala
Website : www.scertkerala.gov.in, e-mail : scertkerala@gmail.com
Phone : 0471-2341883, Fax : 0471-2341869
Typeset and design by : SCERT, First Edition : 2025
Printed at : KBPS, Kakkanad, Kochi-30
© Department of General Education, Government of Kerala

प्रिय छात्रो,

हिंदी भाषार्जन का सिलसिला केरल पाठ्यचर्या नवीकरण 2023 के पंखों में विस्तार पा रहा है। यह हिंदी भाषा को एक जीवंत माध्यम के रूप में सीखने का अवसर प्रदान करता है। समाज को जानने-पहचानने तथा उसे वांछित मोड़ देने की आपकी क्षमता को ध्यान में रखकर छठी कक्षा की यह पाठ्यपुस्तक तैयार की गई है।

यह पाठ्यपुस्तक गतिविधि-आधारित शिक्षण पर बल देती है। आपको मिल-जुलकर सीखने, विचारों का आदान-प्रदान करने तथा एक दूसरे को समझने का मौका मिलना है, यही हमारी अपेक्षा है। इससे उम्मीद है, आपमें हिंदी भाषा के प्रति रुचि पैदा हो जाए, आपके भाषाई कौशलों का विकास हो, आप संतुलित सफल जीवन जीने लायक बनें। आशा है, यह पाठ्यपुस्तक आपको ज्ञानवर्धक लगे... रुचिकर भी लगे॥

डॉ. जयप्रकाश आर के

निदेशक

राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं

प्रशिक्षण परिषद्, केरल

HINDI - CLASS - VI
TEXTBOOK DEVELOPMENT TEAM

ADVISOR

Prof.(Dr.) S. R. JAYASREE Professor&Head, Department of Hindi, University of Kerala,Trivandrum

CHAIRPERSON

Prof.(Dr.) SUMA S Principal (Rtd),MMS GOVT Arts & Science College Malayinkeezhu,Trivandrum

EXPERTS

Prof.(Dr.)MOOSA M Director, SSUS Regional Campus,Tirur,Malappuram

Dr. SESHAN K Associate Professor (Rtd),Govt Arts & Science College, Calicut

PARTICIPANTS

PRAMOD O	Block Project Co-ordinator,BRC, Kozhikode
ABHILASH S	Hindi Teacher,Govt UPS Kuttamala, Kattakada,Trivandrum
VAISAKH K S	Trainer ,BRC, Kilimanoor, Trivandrum
MANJUMOL P	Hindi Teacher, Govt UPS Venjaramoodu,Trivandrum
Dr.SHIJU S G	Hindi Teacher,Govt HS Pannippara,Malappuram
Dr.VIDHYA A S	Hindi Teacher,GHSS Thrikkavu,Ponnani,Malappuram
CHITRA NARAYANAN	HSST(jr)GHSS Elimullumplackal, Pathanamthitta
CHITHRALEKHA K G	Hindi Teacher, GHS Kalady,Trivandrum
NIDHIN K S	Drawing Teacher, Lourdu Matha HSS,Pallikkunnu,Wayanad
AGITH G KRISHNAN	Drawing Teacher, BRC Kollengode,Palakkad
WILLIAM P	HST drawing, St Thomas HSS Poonthura,Trivandrum
BALAKRISHNAN KADIRUR	Art Teacher (Rtd),GHSS Muppathadam,EKM

ACADEMIC CO-ORDINATOR

DEEPA N KUMAR

Research Officer,Hindi,SCERT Kerala,Trivandrum

State Council of Educational Research and Training,Kerala
(SCERT)

अनुक्रमणिका

शीर्षक	प्रोक्ति	रचनाकार	पृष्ठ संख्या

इकाई एक **खुले दिल से**			08-37
नीली चिड़िया	कविता	हरिवंशराय बच्चन	**10-19**
रू रू	कहानी	पारो आनंद	**20-37**

इकाई दो **अनूठी झाँकियाँ**			38-65
बादल	कविता	डॉ.श्रीप्रसाद	**40-48**
सीगड़ी मछली सूखी क्यों नहीं ?	लोककथा	पंजे मंगेशकर राव	**49-65**

इकाई तीन **ताना-बाना**			66-97
मीठा संतरा	संस्मरण	यायावर	**68-83**
चलें	कहानी	सारिका ठाकुर	**84-97**

भारत का संविधान

उद्देशिका

हम, भारत के लोग, भारत को एक [1][**संपूर्ण प्रभुत्व-संपन्न समाजवादी पंथनिरपेक्ष लोकतंत्रात्मक गणराज्य**] बनाने के लिए, तथा उसके समस्त नागरिकों को :

सामाजिक, आर्थिक और राजनैतिक **न्याय**,
विचार, अभिव्यक्ति, विश्वास, धर्म
और उपासना की **स्वतंत्रता**,
प्रतिष्ठा और अवसर की **समता**

प्राप्त कराने के लिए,
तथा उन सब में
व्यक्ति की गरिमा और [2][राष्ट्र की एकता
और अखंडता] सुनिश्चित करने वाली **बंधुता**
बढ़ाने के लिए
दृढ़संकल्प होकर **अपनी इस संविधान सभा में** आज तारीख 26 नवंबर, 1949 ई० (मिति मार्गशीर्ष शुक्ला सप्तमी, संवत् दो हजार छह विक्रमी) को **एतद्द्वारा इस संविधान को अंगीकृत, अधिनियमित और आत्मार्पित करते हैं।**

---

1. संविधान (बयालीसवां संशोधन) अधिनियम, 1976 की धारा 2 द्वारा (3-1-1977 से) "प्रभुत्व-संपन्न लोकतंत्रात्मक गणराज्य" के स्थान पर प्रतिस्थापित।
2. संविधान (बयालीसवां संशोधन) अधिनियम, 1976 की धारा 2 द्वारा (3-1-1977 से) "राष्ट्र की एकता" के स्थान पर प्रतिस्थापित।

नाम :
कक्षा :
स्कूल :
जिला :

इकाई 1

खुले दिल से

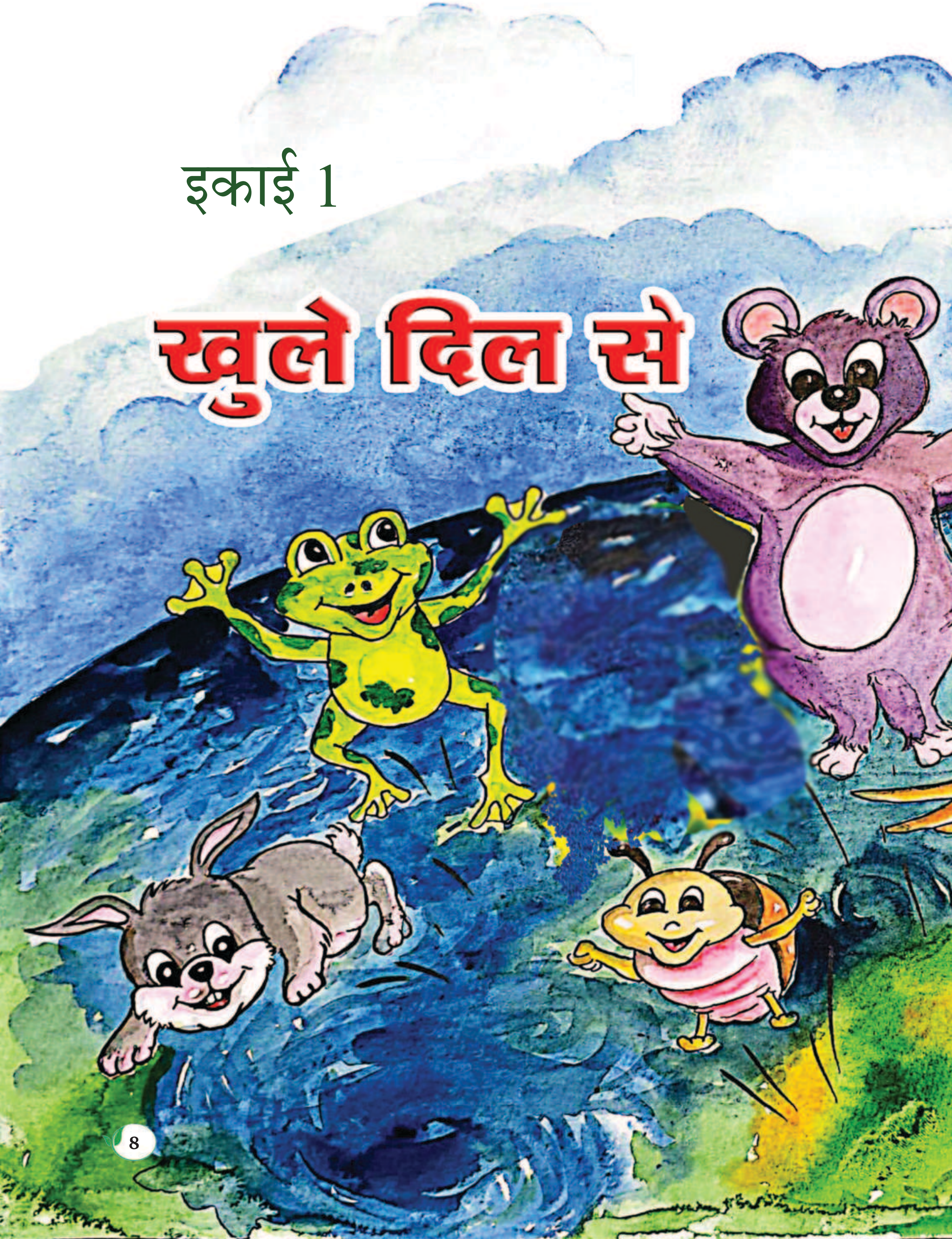

सब खुशी में हैं। क्यों ?

कविता

नीली चिड़िया

हरिवंशराय बच्चन

नीले आसमान से उतरी
नीली एक निराली चिड़िया
गाती उड़ने वाली चिड़िया,
उड़ती गाने वाली चिड़िया।

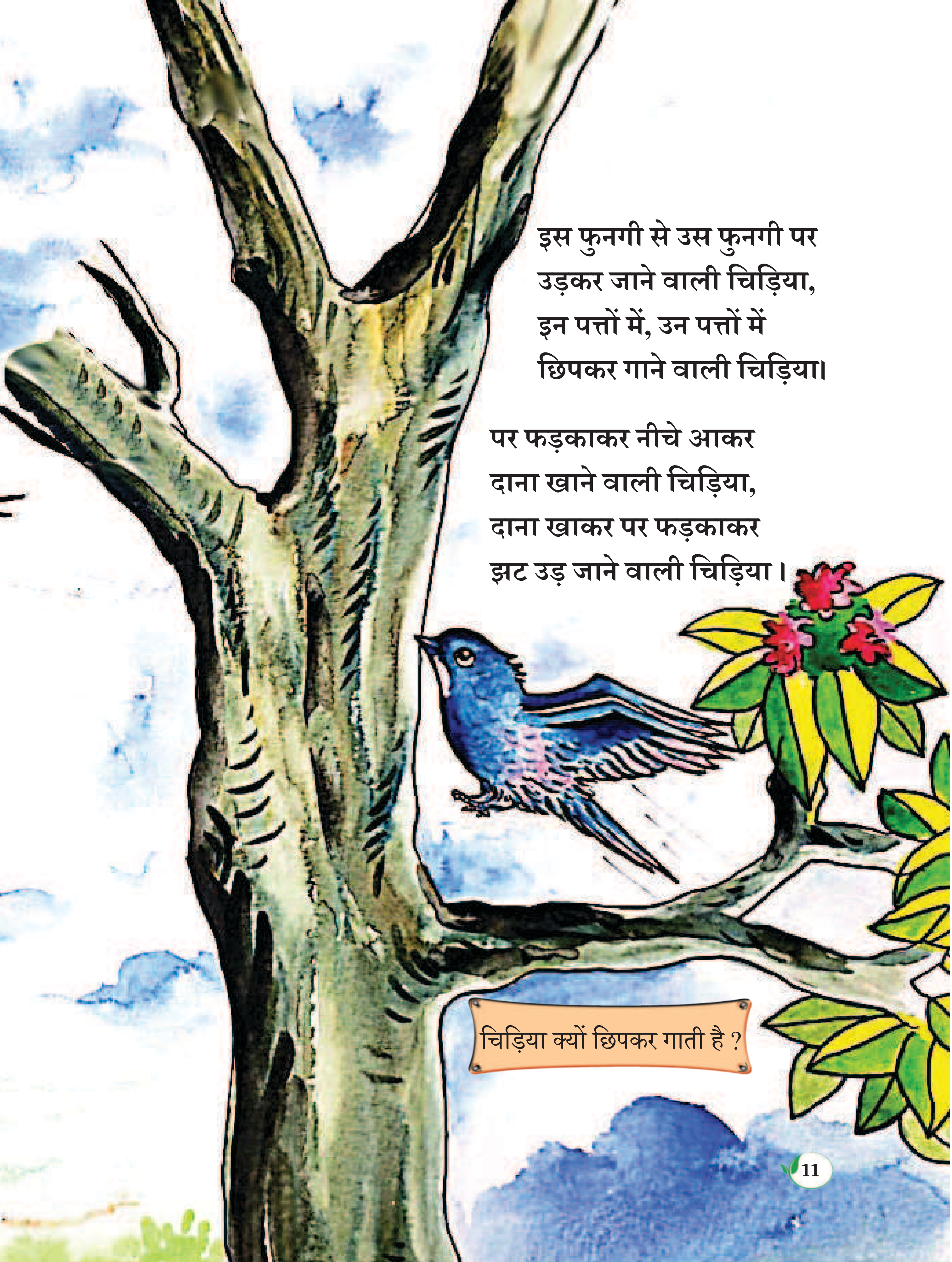

इस फुनगी से उस फुनगी पर
उड़कर जाने वाली चिड़िया,
इन पत्तों में, उन पत्तों में
छिपकर गाने वाली चिड़िया।

पर फड़काकर नीचे आकर
दाना खाने वाली चिड़िया,
दाना खाकर पर फड़काकर
झट उड़ जाने वाली चिड़िया।

चिड़िया क्यों छिपकर गाती है ?

इस डाली से उस डाली पर
उड़-उड़ जाने वाली चिड़िया।
लाख बुलाऊँ लेकिन मेरे
पास न आने वाली चिड़िया।

नीले आसमान से उतरी
नीली एक निराली चिड़िया
गाती उड़ने वाली चिड़िया
उड़ती गाने वाली चिड़िया।

'लाख बुलाऊँ लेकिन मेरे
पास न आने वाली चिड़िया'- क्यों?

नमूने के अनुसार वाक्य बनाएँ -

छिपकर गाना

पास न आना

झट उड़ जाना

दाना खाना

- चिड़िया छिपकर गाती है।
- -- ।
- -- ।
- -- ।

समान अर्थ ढूँढ़ें, पत्ते भरें -

पंक्तियाँ ढूँढ़ें, लिखें -

➪ चिड़िया एक डाली से दूसरी डाली पर उड़ जाती है।

➪ चिड़िया लोगों के पास नहीं आती है।

➪ चिड़िया पत्तों में छिपकर गाती है।

➪ चिड़िया दाना खाकर जल्दी उड़ जाती है।

कविता से चुनकर लिखें -

उड़ने वाली

ऊपर के नमूने के अनुसार शब्द बनाएँ -

पी, देख, भीग, कर

पंक्तियाँ जोड़ें -

नीले आसमान से उतरी
नीली एक निराली चिड़िया
गाती उड़ने वाली चिड़िया,
उड़ती गाने वाली चिड़िया।

--------------------------------------- ।

पक्षियों के चित्र इकट्ठा करें,
उनके नाम लिखें, एलबम बनाएँ।

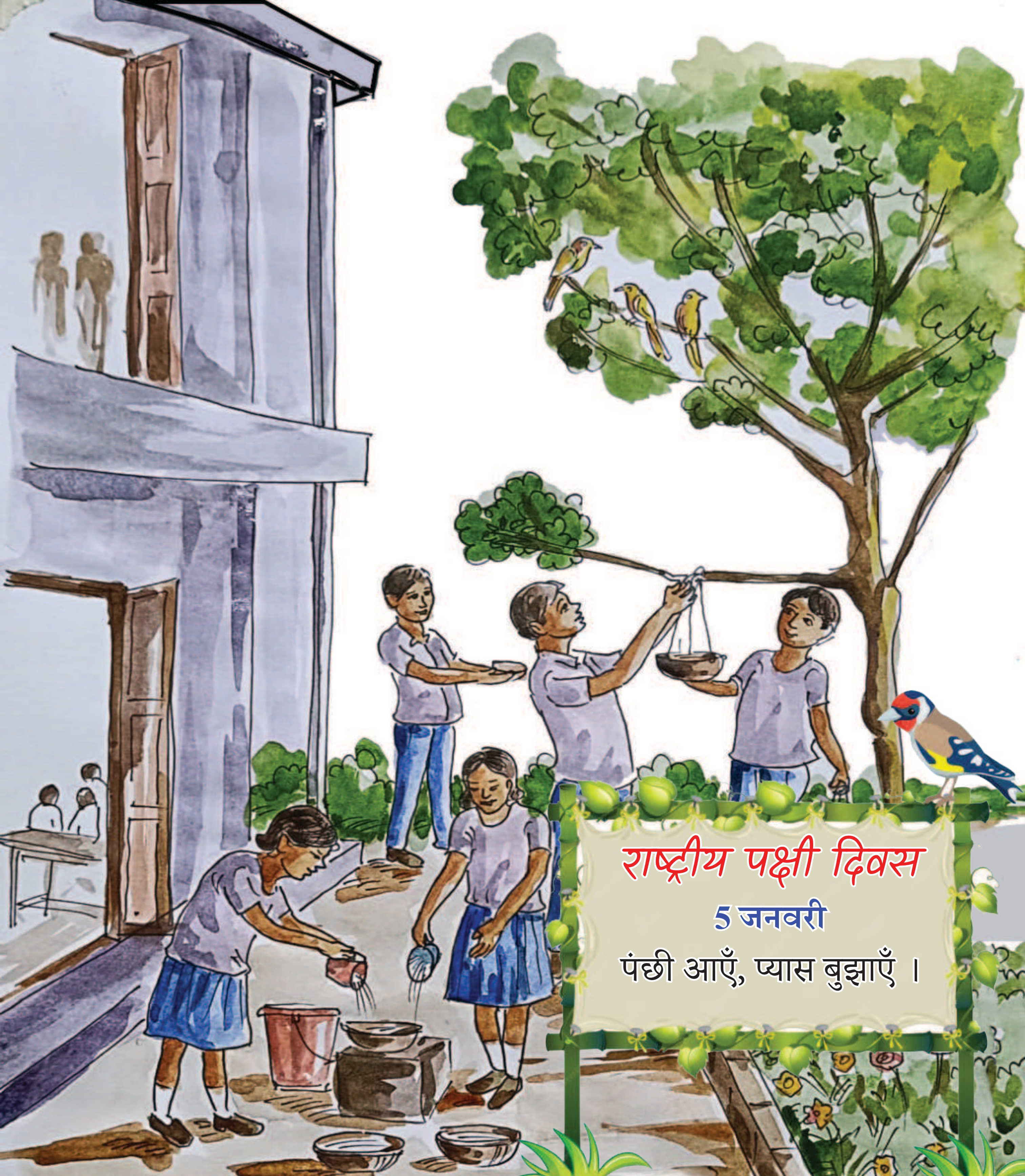

☛ आपके स्कूल में भी ऐसे कार्यक्रम का आयोजन करें।

मदद लें

नीली चिड़िया

उतरी	ഇറങ്ങി	இறங்கியது	descended ಇಳಿದು
निराली	അതുല്യമായ	விந்தையான	unique ಅನನ್ಯ
उड़ने वाली	പറക്കുന്ന	பறக்கின்ற	flying ಹಾರುವ
फुनगी	ചില്ലയുടെ അറ്റം	மரக்கிளையின் நுனி ಮರದ ಕೊಂಬೆಯ ತುದಿ ಭಾಗ	twig of a tree
उड़कर जाने वाली	പറന്ന് പോകുന്ന	பறந்து செல்கின்ற	flying ಹಾರಿ ಹೋಗುವ
छिपकर	മറഞ്ഞിരുന്നു കൊണ്ട്	மறைந்திருந்து	staying hidden ಅಡಗಿಕೊಂಡು
पर फड़काकर	ചിറകടിച്ച് കൊണ്ട്	இறக்கையடித்து	flapping the wings ರೆಕ್ಕೆಬಡಿದುಕೊಂಡು
नीचे	താഴെ	கீழ்	down ಕೆಳಗೆ
दाना	ധാന്യം	தானியம்	grain ಧಾನ್ಯ
झट	പെട്ടെന്ന്	விரைவாக	quickly ಫಕ್ಕನೆ
डाली	മരച്ചില്ല	மரக்கிளை	twig ಮರದ ಕೊಂಬೆ

कहानी

रू रू

पारो आनंद

रू रू एक कंगारू का बच्चा था।
कंगारू के बच्चों को जोइस कहते हैं।
वैसे ही जैसे कुत्ते के बच्चे को पिल्ला और बिल्ली के बच्चे को बिलौटा कहते हैं।

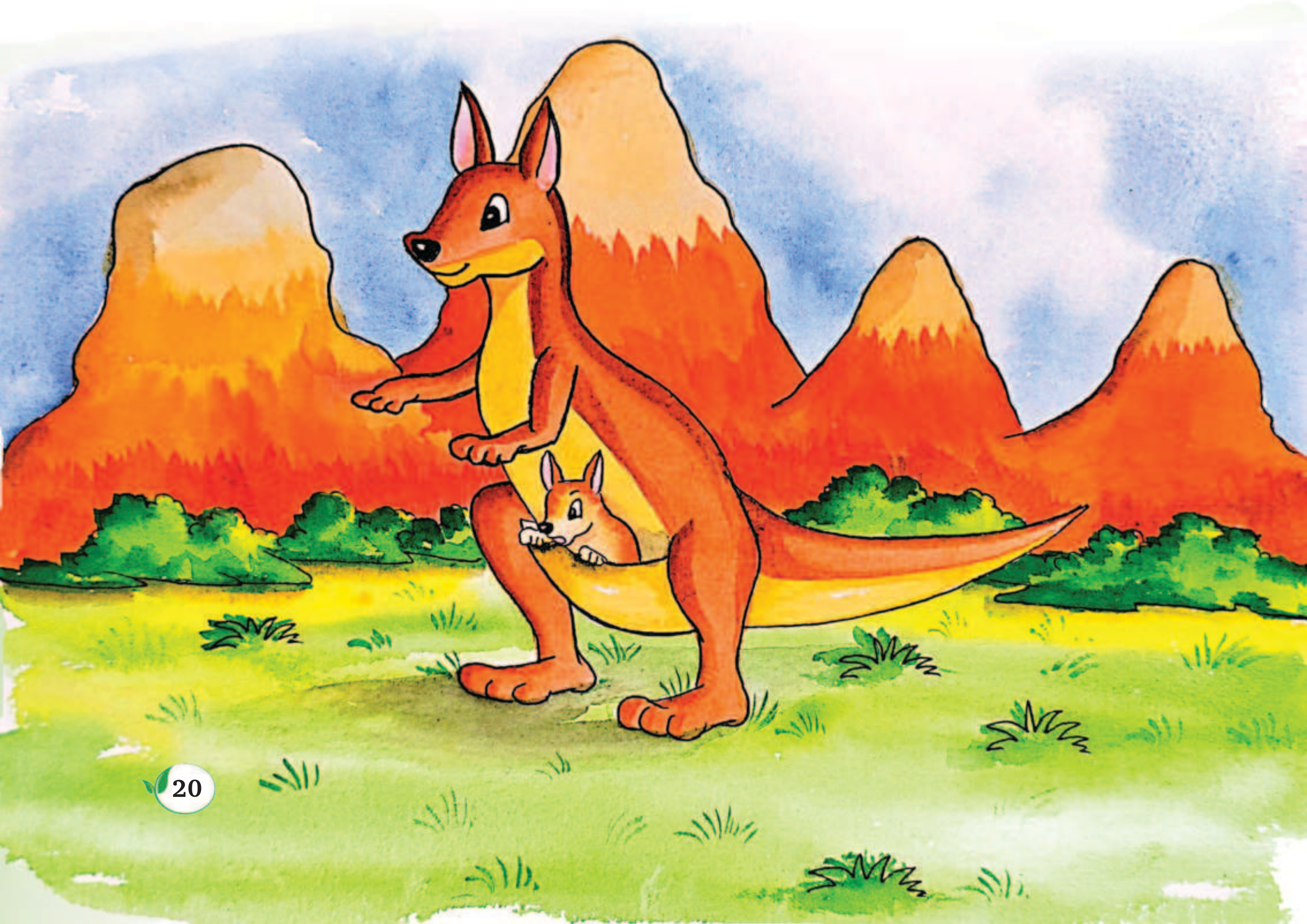

उसकी अम्मी उसे रू रू बुलाती थी क्योंकि
वह हमेशा रोता रहता था।
" रो क्यों रहे हो ?"
अम्मी ने फिर पूछा,
"क्या तुमको बहुत अकेला-अकेला लगता है बेटा ?"
जेब से एक बारीक सी आवाज़ आई,
"हाँ... मेरा कोई दोस्त नहीं!"

अम्मी खुशी से कूदने-फाँदने लगी।
"तो इसलिए उदास रहता था मेरा बच्चा !"
वो देर तक कूदती रही...कूदती...ही रही।

“ रू रू अब टाइम आ गया बच्चा। अम्मी की गोद से निकलो और बाहर जाकर दोस्त बनाओ।” रू रू ने थोड़ा डरते हुए, झिझकते हुए, हौले से अम्मी की जेब से सिर बाहर निकाला। दुनिया कितनी बड़ी थी! कितनी सुंदर! कितने सारे रंग! आवाज़ें! कितनी खुशबू!

जेब से सिर बाहर निकालने पर रू रू ने क्या-क्या देखे होंगे ?

पर रू रू सहम गया। इतनी बड़ी दुनिया थी बाहर।
अम्मी कंगारू थोड़ी देर तो सब्र किए रही।
फिर हल्के से थपकी दी।
फिर रू रू को खुद जेब से निकलने की कोशिश करते देखने लगी।
आखिर ...
रू रू जेब से बाहर निकला।

नीची टहनी पर एक चिड़िया गाना गा रही थी। रू रू ने चिड़िया से पूछना चाहा कि क्या उसे और गाने भी आते हैं। क्या वो उसे गाना सिखा देगी? पर चिड़िया उड़कर दूसरे पेड़ पर बैठ गई।

"रुको...रुको...जाओ मत।" चिड़िया के पीछे कूदता हुआ रू रू ने चिल्लाया। चिड़िया बोली, "मैं रुक नहीं सकती। बहुत बुरा हो गया है।"

"क्या बुरा हुआ?"

"पिछली रात भयानक तूफ़ान आया था। मेरा घोंसला बिखर गया है। कहीं मेरे बच्चे गिर न जाएँ। मैं गाना नहीं गा रही थी। अपने साथी को बुला रही थी। वो आ जाए तो हम मिलकर जल्दी-जल्दी घोंसला ठीक कर लें।"

साथी को बुलाना और मिलकर घोंसला बनाना- यहाँ चिड़िया का कौन-सा मनोभाव प्रकट होता है ?

रू रू चिड़िया के साथ चल पड़ा। बच्चे ज़मीन पर बेहाल पड़े हुए थे। चिड़िया ज़ोर से रोई। उसकी आवाज़ सुन उसका साथी उड़ता हुआ आया। उन दोनों को उदास देख रू रू को एक ख्याल आया। "मुझे एक जगह मालूम है। जब तक बच्चे उड़ने लायक नहीं हो जाते, वे आराम से वहीं रह सकते हैं।"

यहाँ रू रू के चरित्र की कौन-सी विशेषता प्रकट होती है ?

फिर क्या था। रू रू की मदद से अम्मी ने धीरे-धीरे सारे बच्चों को अपनी नरम, मुलायम जेब में रख लिया। यहाँ उन्हें कोई खतरा नहीं था। चिड़ियाँ खुशी से गाने लगीं। उन्होंने रू रू को भी गाना सिखा दिया। उस रात रू रू आहिस्ता से संभलकर अम्मी की जेब में घुसा। वह चिड़ियों की बगल में दुबक गया। अब वो अकेला नहीं था।

किसने कहा ?

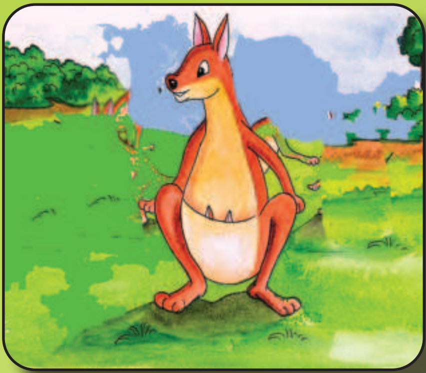

- मेरा कोई दोस्त नहीं।
- बाहर जाकर दोस्त बनाओ।
- मेरा घोंसला बिखर गया है।

अम्मा के पास पहुँचाएँ, लिखें -

चूज़ा	बिलौटा	जोइस	पिल्ला

पहचानें, क्रम में लिखें -

- रू रू का कोई दोस्त नहीं था।
- रू रू चिड़िया के पीछे चल पड़ा।
- अम्मी ने चिड़िया के बच्चे को जेब में रख लिया।
- रू रू अम्मी की जेब से सिर निकाला।
- चिड़िया ने रू रू को गाना सिखा दिया।
- बच्चे ज़मीन पर बेहाल पड़े थे।
- रू रू एक कंगारू का बच्चा था।

- रू रू एक कंगारू का बच्चा था।
- ------------------------------------
- ------------------------------------
- ------------------------------------
- ------------------------------------
- ------------------------------------
- ------------------------------------

सबेरे ही सारे मित्र आए। चिड़िया से बातें करने लगे।

बातचीत आगे बढ़ाएँ -

हाथी : कंगारू की जेब में कैसा रहा ?

चिड़िया :-----------------------------------

मेंढ़क :-----------------------------------

चिड़िया :-----------------------------------

भालू :-----------------------------------

चिड़िया :-----------------------------------

:-----------------------------------

:-----------------------------------

लिखें, क्या-क्या देखे ?

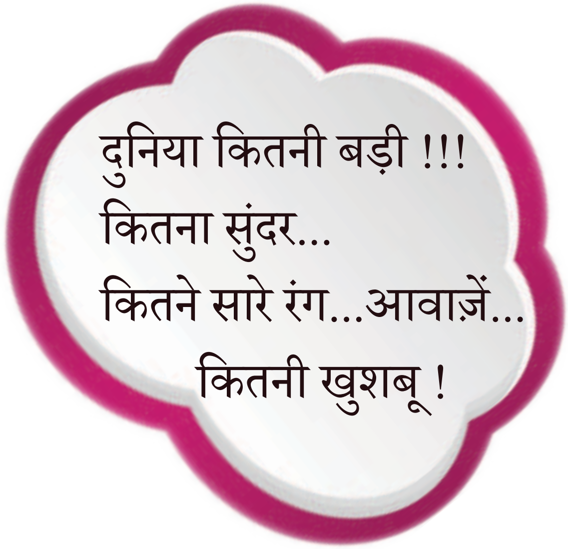

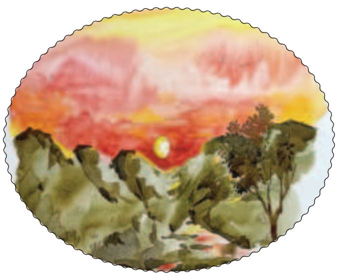

आसमान में बादल है। पानी बरसता है।

मेरे विवरण में...	हाँ	नहीं
♦ शीर्षक है।		
♦ दृश्यों का विवरण है।		
♦ उचित भाषा है।		

पोस्टर तैयार करें -

मेरे पोस्टर में...	हाँ	नहीं
♦ संदेश वाक्य है।		
♦ आकर्षकता है।		
♦ तारीख है।		

मदद लें

रू रू

अकेला लगना

ഏകാന്തത അനുഭവപ്പെടുക Feel lonely
தனிமை அனுபவப்படுதல்
ಏಕಾಂತತೆ ಅನುಭವವಾಗು

जेब

കംഗാരു സഞ്ചി
The pouch of a Kangaroo (Marsupium)
பை (கங்காருவின் பை)
ಜೇಬು (ಕಂಗಾರುವಿನ ಉದರ ಚೀಲ)

बारीक सी आवाज़

നേർത്ത സ്വരം A feeble voice
மெல்லிய சத்தம் ಕ್ಷೀಣವಾದ ಶಬ್ದ

कूदने-फाँदने लगी

തുള്ളി ചാടാൻ തുടങ്ങി Started to jump
குதித்து ஓடத் தொடங்கியது
ಹಾರಿ ಕುಣಿಯಲು ಪ್ರಾರಂಭವಾಯಿತು

उदास

ദുഃഖിതൻ Sad
மனச் சோர்வுடையவன்
ದುಃಖಿತನಾದ

देर तक

കുറേ നേരം For a long time
சிறிது நேரம் ತಡವಾಗಿ

गोद

മടിത്തട്ട് Lap
மடியில் ಮಡಿಲು

डरते हुए	ഭയന്ന് കൊണ്ട് அச்சமுடன்	Scared ಹೆದರಿಕೊಂಡು
झिझकते हुए	മടിയോടെ சோம்பலுடன்	Hesitantly ಉದಾಸೀನದಿಂದ
हौले से	മെല്ലെ மெதுவாக	Slowly ಮೆಲ್ಲನೆ
सहम गया	പകച്ചു പോയി பதட்டமடைந்தது	Astonished ಹೆದರಿಕೊಳ್ಳು
सब्र किए रही	ക്ഷമയോടെ നിന്നു பணிவுடன் நின்றாள் ಕ್ಷಮಿಸಿಕೊಂಡು ನಿಲ್ಲು	Stood patiently
हल्के से थपकी दी	മൃദുവായി ചുമലിൽ തട്ടി Patted on the shoulder மெதுவாக தோளில் தட்டிக்கொண்டு ಮೃದುವಾಗಿ ಬೆನ್ನುತಟ್ಟಿ	
खुद	സ്വയം சுயமாக	Oneself ಸ್ವಯಂ
कोशिश	പരിശ്രമം முயற்சி	Effort ಪ್ರಯತ್ನ
टहनी	മരച്ചില്ല மரக்கிளை	Branch of a tree ಮರದ ಕೊಂಬೆ
सिखा देगी ?	പഠിപ്പിക്കുമോ ? கற்பிப்பீர்களா?	Can you teach? ಕಲಿಸುವಿಯೋ
रुको	നിൽക്കൂ நில்	Stop ನಿಂತುಕೊಳ್ಳಿ

चिल्लाया	ഉച്ചത്തിൽ വിളിച്ചു உரக்கக்கூவினான்	Called aloud ಜೋರಾಗಿ ಕರೆದು
बुरा हो गया है	ആപത്ത് സംഭവിച്ചു ஆபத்து நிகழ்ந்தது ಆಪತ್ತು ಉಂಟಾಯಿತು	Something bad has happened
पिछली रात	കഴിഞ്ഞ രാത്രി நேற்று இரவு	Previous night ಕಳೆದ ರಾತ್ರಿ
तूफ़ान	കൊടുങ്കാറ്റ് கொடுங்காற்று	Storm ಬಿರುಗಾಳಿ
घोंसला	പക്ഷിക്കൂട് பறவையின் கூடு	Nest ಹಕ್ಕಿಯಗೂಡು
बिखर गया	തകർന്ന് പോയി தளர்ந்து போயிற்று	destroyed ನಾಶವಾಯಿತು
जमीन पर	നിലത്ത് நிலத்தில்	On the ground ನೆಲದಲ್ಲಿ
बेहाल पड़े थे	അവശരായി കിടക്കുകയായിരുന്നു was in distress துன்பமான நிலையில் ದಾರುಣಾವಸ್ಥೆಯಲ್ಲಿ ಬಿದ್ದು ಕೊಂಡಿದ್ದವು	
खुशबू	സുഗന്ധം வாசனை	Fragrance ಪರಿಮಳ
ज़ोर से	ഉച്ചത്തിൽ உரக்க	Loudly ಜೋರಾಗಿ
जगह	സ്ഥലം இடம்	Place ಸ್ಥಳ

Hindi	Malayalam / Tamil / Kannada	English / Kannada
मालूम है	അറിയാം தெரியும்	Know ತಿಳಿದಿದೆ
उड़ने लायक	പറക്കാനുള്ള പ്രാപ്തി பறக்கும் திறன் ಹಾರಲಿರುವ ಸಾಮರ್ಥ್ಯ	Ability to fly
आराम से	സ്വസ്ഥമായി ஓய்வாக	Comfortably ಆರಾಮವಾಗಿ
मदद	സഹായം உதவி	Help ಸಹಾಯ
नरम	മൃദുവായ மெல்லிய	Soft ಮೃದುವಾದ
मुलायम	കോമളമായ மென்மையான	Tender ಕೋಮಲವಾದ
खतरा	ആപത്ത് ஆபத்து	Danger ಆಪತ್ತು
आहिस्ता	പതുക്കെ மெதுவாக	Slowly ಮೆಲ್ಲನೆ
संभलकर	ശ്രദ്ധിച്ച് கவனமாக	Carefully ಶ್ರದ್ಧೆಯಿಂದ
घुसा	കയറി ஏறி	Entered ನುಗ್ಗಿ
बगल में	അരികിൽ அருகே	Beside ಹತ್ತಿರದಲ್ಲಿ
दुबक गया	പതുങ്ങി കിടന്നു பதுங்கிக்36 கிடந்தது	lay down quietly ಅಡಗಿಕೊಂಡು ಕುಳಿತಿತು

इकाई 2

अनूठी झाँकियाँ

कविता

बादल

डॉ.श्रीप्रसाद

काले काले, पानी वाले
आसमान में बादल आए
बोलो, कैसे आकर छाए

हवा पकड़कर, लाती सरसर
छाए जैसे काले कंबल
कितने सुंदर लगते बादल

पेड़ों जैसे, भेड़ों जैसे
लगते जैसे चलते घोड़े
बन जाते हाथी के जोड़े

बादल क्यों सुंदर लगते हैं ?

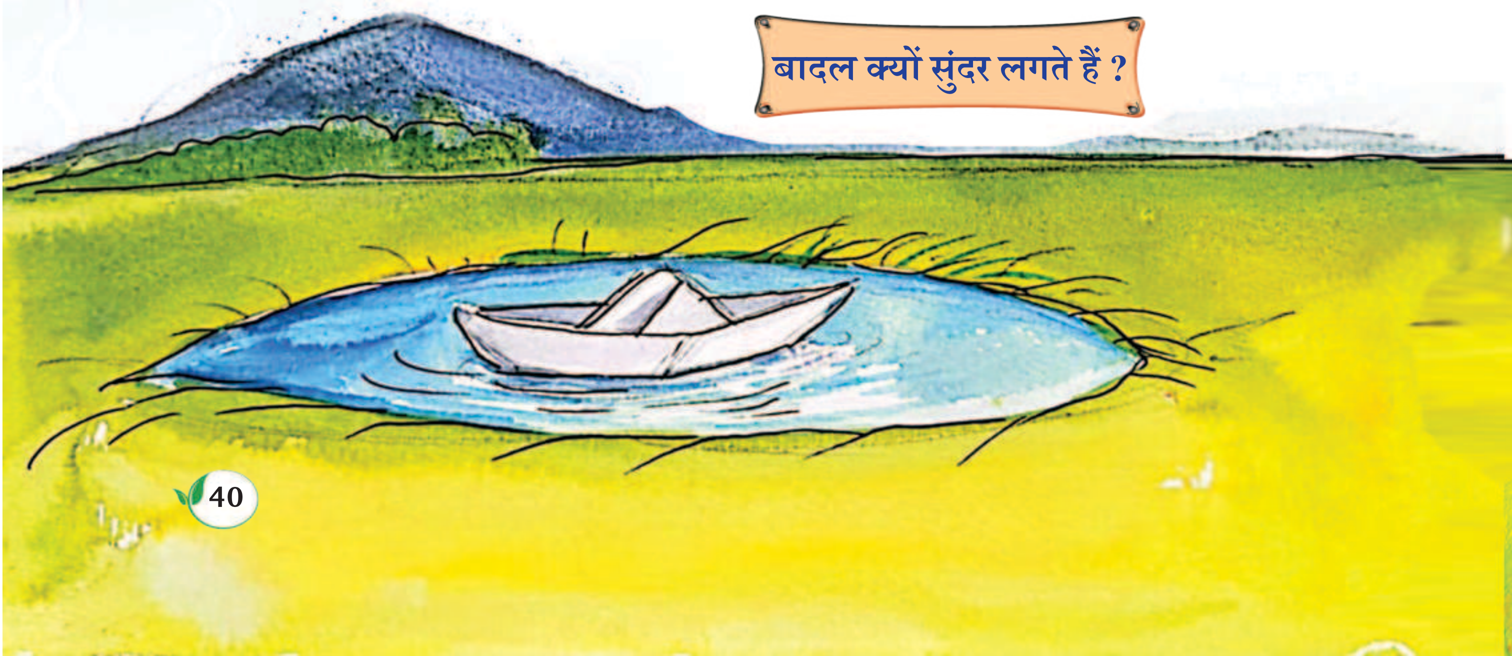

नन्हे जल-कण, गए भाप बन
उसी भाप ने ठंडक पाई
बादल बरसे, बरसा आई
करते गड़गड़, आते बढ़बढ़
बिजली बादल को चमकाए
अंधियारे में राह दिखाए
मोर मगन मन, छूम छनन छन
झूम झूमकर नाच दिखाए
खुश हो होकर गाना गाए
बरसे बादल, कलकल छलछल
तैर चली कागज़ की नैया
पूंछ उठाकर भागी गैया

बादल के बरसने पर कौन-कौन खुश होते हैं ?

ताल दें, आलाप करें-

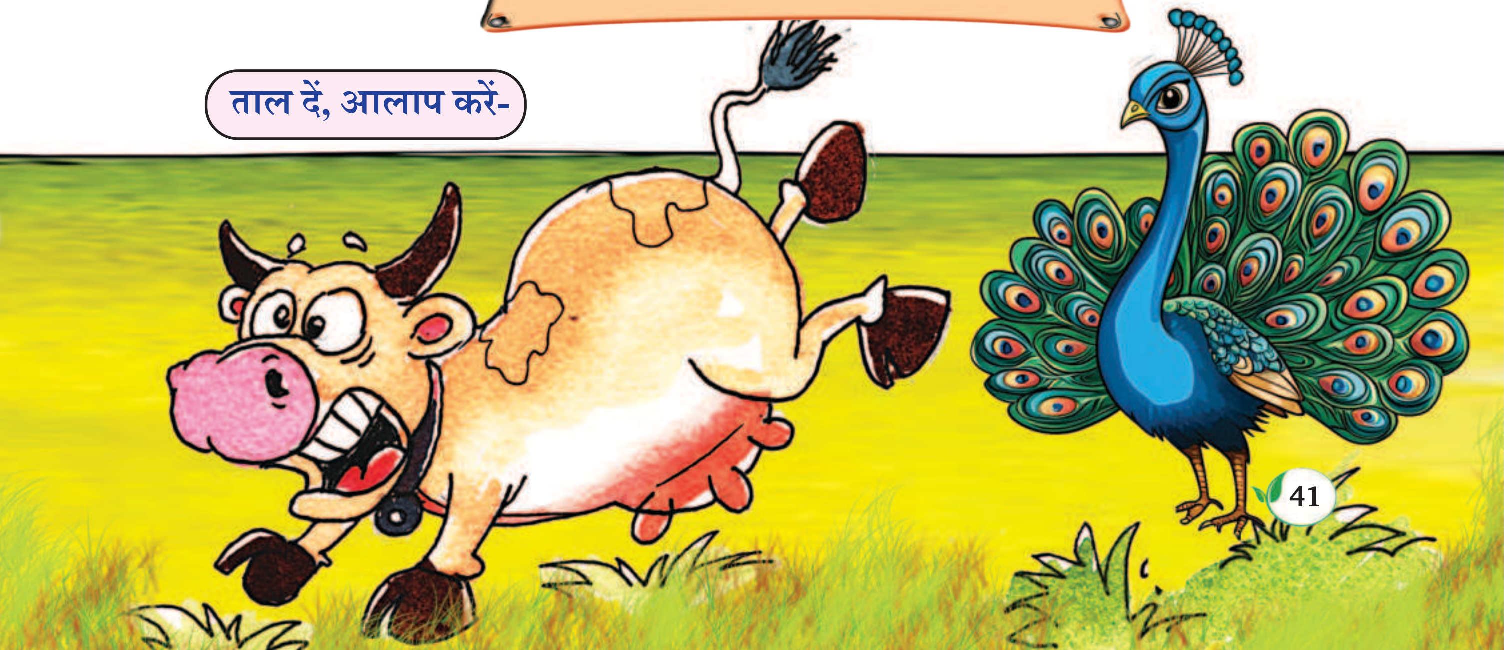

पढ़ें, जोड़े बनाएँ -

आई

दिखाए

पाई

बादल

कलकल

कंबल

छलछल

छाए

घोड़े

गैया

चमकाए

नैया

जोड़े

आए

आए	-	छाए
कंबल	-	बादल
-----------	-	-----------
-----------	-	-----------
-----------	-	-----------
-----------	-	-----------
-----------	-	-----------

चित्र देखें, कविता से उचित पंक्तियाँ लिखें -

कविता से पंक्तियाँ चुनें, लिखें -

बिजली बादल को चमकाती है।
अंधियारे में प्रकाश फैलाकर राह दिखाती है।

हवा बादल को पकड़कर लाती है। आकाश में बादल
काले कंबल जैसे छा जाता है।वह बहुत सुंदर लगता है।

नन्हे जल-कणों से भाप बनती है। भाप से बादल बनता है।
ठंडा होने पर बादल बरसता है।

बताएँ, बारिश के आने पर कौन-कौन खुश होते हैं ?

पंक्तियाँ लिखें -

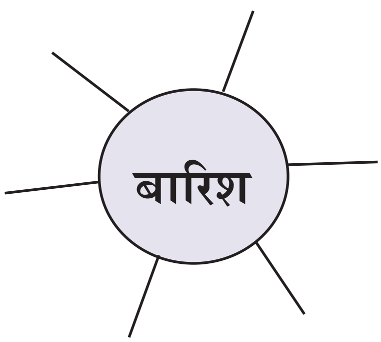

मेरी कविता में...

आशययुक्त पंक्तियाँ हैं ।		
तालयुक्त पंक्तियाँ हैं ।		
शीर्षक है।		

➪ दृश्याभास करें।

अनुबद्ध कार्य :
प्रकृति-दृश्यों का फ़ोटो खींचें, शीर्षक दें।

मदद लें

बादल

हिंदी	മലയാളം	English	தமிழ்	ಕನ್ನಡ
आसमान	ആകാശം	sky	ஆகாயம்	ಆಕಾಶ
छाए	പരന്നു / വ്യാപിച്ചു	spread	பரவியது	ವ್ಯಾಪಿಸಿತು
कंबल	കമ്പിളി / പുതപ്പ്	blanket	கம்பிளி	ಕಂಬಳಿ
भेड़ों जैसे	ചെമ്മരിയാടുകളെപ്പോലെ	like sheep	செம்மறி ஆடுகளைப் போன்று	ಕುರಿಗಳ ಹಾಗೆ
घोड़े	കുതിരകൾ	Horses	குதிரைகள்	ಕುದುರೆಗಳು
जोड़े	ജോഡി	pair	ஜோடி	ಜೋಡಿಗಳು
नन्हे जल-कण	ചെറിയ ജലകണങ്ങൾ	tiny droplets	சிறிய நீர்த் துளிகள்	ನೀರಿನ ಚಿಕ್ಕಕಣಗಳು
भाप ने ठंडक पाई	നീരാവി തണുത്തുറഞ്ഞു	water vapour cooled down	நீராவி குளிர்ந்து உறைந்தது	ನೀರಾವಿ ಕರಗಿತು
बादल बरसे	മഴ പെയ്തു	rained	மழை பெய்தது	ಮಳೆ ಸುರಿಯಿತು
बिजली	മിന്നൽ	lightning	மின்னல்	ಮಿಂಚು

चमकाए	തിളങ്ങി மின்னியது	sparkled ಹೊಳೆಯಿತು
अंधियारे में	ഇരുട്ടിൽ இருட்டில்	in the darkness ಕತ್ತಲಲ್ಲಿ
राह दिखाए	വഴി കാണിച്ചു வழி காட்டியது	showed the way ದಾರಿ ತೋರಿಸಿತು
मोर	മയിൽ மயில்	Peacock ನವಿಲು
मगन मन	സന്തോഷത്തോടെ மகிழ்ச்சியுடன்	happily ಸಂತೋಷದಿಂದ
झूम-झूमकर	നൃത്തമാടിക്കൊണ്ട് நடனம் ஆடிக்கொண்டே ತೂಗಾಡುತ್ತಾ	dance with a bang
तैर चली	നീന്തി நீந்தியது	swam ಈಜಿಕೊಂಡು
कागज़ की नैया	കടലാസ് തോണി காகிதக்கப்பல்	paper boat ಕಾಗದದ ದೋಣಿ
पूँछ उठाकर भागी	വാലും പൊക്കിക്കൊണ്ട് ഓടി fled with fear வாலை ஆட்டிக்கொண்டே ஓடியது ಬಾಲ ಎತ್ತಿಕೊಂಡು ಓಡು	
गैया	പശു பசு	cow ದನ

लोककथा

सीगड़ी मछली सूखी क्यों नहीं?

पंजे मंगेशकर राव

समुद्र के किनारे एक गाँव था। गाँव में एक मछुआरे का परिवार रहता था। उस परिवार में चार लोग थे – मछुआरिन, उसका पति, उनका एक बच्चा और मछुआरे की माँ। मछुआरा समुद्र से मछली पकड़कर लाता। मछुआरिन इन मछलियों को बाज़ार ले जाकर बेचती। जो मछलियाँ बच जातीं उन्हें बूढ़ी अम्मा धूप में सुखाती थी। और बच्चा ? वो पड़ा-पड़ा रोता रहता।

बच्चा पड़ा-पड़ा क्यों रोता रहता ?

एक दिन मछुआरा जाल लेकर नाव में जा बैठा। मछुआरिन मछलियाँ बेचने के लिए बाज़ार चली गई। घर पर बूढ़ी अम्मा बची मछलियों को धूप में सुखा रही थी। और बच्चा एक चटाई पर पड़ा-पड़ा रो रहा था। बूढ़ी अम्मा चबूतरे पर बैठी थी। वह एक हाथ से बच्चे को सहला रही थी और दूसरे से कौओं को भगा रही थी।

शाम हो गई। समुद्र से मछुआरा और बाज़ार से उसकी बीवी लौटने ही वाले थे। बूढ़ी अम्मा ने सोचा-शाम हुई, अब मैं सीगड़ी मछलियों को समेटकर अंदर ले आऊँ।
उसने बरामदे में पड़ी मछलियों को छूकर देखा।
मछलियाँ अभी भी सूखी नहीं थीं।

'मछलियाँ अभी भी सूखी नहीं थीं।' क्यों ?

बूढ़ी अम्मा बोली, "सीगड़ी, ओ सीगड़ी!
तुम क्यों नहीं सूखी?"

सीगड़ी बोली,

"बूढ़ी अम्मा, बूढ़ी अम्मा,
घास बढ़ गई है। मुझे
धूप ही नहीं मिली
तो मैं कैसे सूखूँ?
मुझसे क्यों पूछती हो
घास से पूछो।"

" मुझसे क्यों पूछती हो, घास से पूछो।"
आप इससे सहमत हैं ? क्यों ?

बूढ़ी अम्मा घास के पास गई,
"घास, ओ घास ! बता न,
तू धूप के आड़े क्यों आई?"

घास ने जवाब दिया,

"बूढ़ी अम्मा, बूढ़ी अम्मा,
बछड़े ने मुझे नहीं खाया तो मैं क्या करूँ?
मुझसे क्यों पूछती हो बछड़े से पूछो!"

फिर बूढ़ी अम्मा बछड़े के पास गई। उसने पूछा,
"बछड़े, ओ बछड़े, तुमने घास क्यों नहीं खाई?"

बछड़े ने कहा,

"बूढ़ी अम्मा, बूढ़ी अम्मा,
घर की औरत ने मेरी रस्सी नहीं खोली,
तो मैं क्या करूँ? तुम औरत से पूछो।"

तब तक मछुआरे की बीवी घर लौट आई। बूढ़ी अम्मा उसके पास गई और उससे पूछा, "तुमने बछड़े को क्यों नहीं छोड़ा?"
उसपर मछुआरे की बीवी ने कहा,

बछड़े को क्यों नहीं छोड़ा ?"
इसपर आपका विचार क्या है ?

"बूढ़ी अम्मा, जब बच्चे ने रोना ही बंद नहीं किया तो मैं बछड़े को कैसे छोड़ती? तुम मुझसे क्यों पूछती हो? बच्चे से पूछो।"

तब बूढ़ी अम्मा बच्चे के पास गई और पूछा, “बच्चे, ओ बच्चे, बता तूने रोना बंद क्यों नहीं किया?”

बच्चे ने कहा,

“बूढ़ी अम्मा, बूढ़ी अम्मा,
मुझे चींटी ने काटा था तो
मैं क्या करूँ ?
चींटी से पूछो !”

बूढ़ी चींटी के पास गई, “चींटी, ओ चींटी, बताओ तुमने बच्चे को क्यों काटा?”

चींटी ने कहा,

“बूढ़ी अम्मा, बूढ़ी अम्मा,
चटाई ने मेरी राह रोकी।
तुम चटाई को लपेट लो
और मुझे जाने दो ,
तब मैं नहीं काटूंगी।”

बूढ़ी अम्मा ने झट-से
बच्चे को उठाया, चटाई
को लपेट दिया।

चींटी बच्चे को काटे
बगैर निकल गई। बच्चे
ने रोना बंद कर दिया।

बच्चे की माँ ने बछड़े
को खोल दिया। बछड़े
ने घास खा ली।

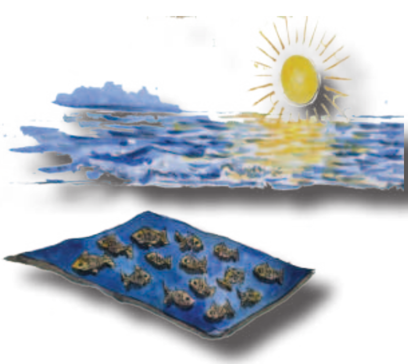

और फिर धूप में मछली
सूख गई। बूढ़ी अम्मा ने
सीगड़ी मछलियाँ समेटीं
और अंदर ले गई।

लिखें, बूढ़ी अम्मा किन-किनसे मिली ?

रंग दें, उचित संवाद से जोड़ें -

"जब बच्चे ने रोना ही बंद नहीं किया तो मैं बछड़े को कैसे छोड़ती?"

"बछड़े ने मुझे नहीं खाया तो मैं क्या करूँ ?"

" घर की औरत ने मेरी रस्सी नहीं खोली, तो मैं क्या करूँ ?"

"मुझे चींटी ने काटा था तो मैं क्या करूँ ?"

"तुम चटाई को लपेट लो और मुझे जाने दो ।"

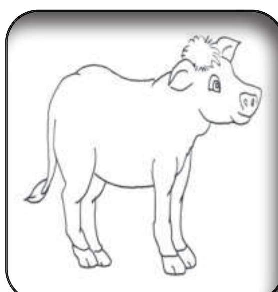

नीचे दिए गए वाक्य पर ध्यान दें -

➩ बूढ़ी अम्मा मछलियों को सुखा रही थी।

पाठ भाग से ऐसे वाक्य चुनकर लिखें -

➩ --

➩ --

➩ --

ऐसे अधिक वाक्य बनाएँ -

मछुआरा आ रहा है।	मछुआरा आ रहा था।
मछुआरिन आ रही है।	मछुआरिन आ रही थी।
बछड़ा खा रहा है।	
बूढ़ी अम्मा बैठ रही है।	
चींटी चल रही है।	
कौआ भाग रहा है।	

शब्द ढूँढ़ें, लिखें -

घा	च	टा	ई	म	छ	ली
स	मु	द्र	बी	छु	द	प
ह	ण		वि	आ		ए
बा	सी	श	ब	रा	म	दा
ज़ा	ग	औ	र	त	जा	ल
र	ड़ी		स्सी	बू	ढ़ी	चीं
म	छु	आ	रि	न	ध	टी

- ---------------------------------- ▪ ---------------------------------- ▪ ----------------------------------
- ---------------------------------- ▪ ---------------------------------- ▪ ----------------------------------
- ---------------------------------- ▪ ---------------------------------- ▪ ----------------------------------
- ---------------------------------- ▪ ---------------------------------- ▪ ----------------------------------

समझें, चुनकर लिखें -

मछुआरा

पति

बच्ची

बूढ़ी

पत्नी

मछुआरिन

बच्चा

बूढ़ा

चित्र कहानी बनाएँ -

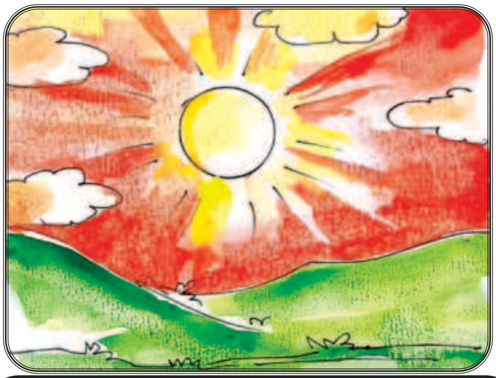

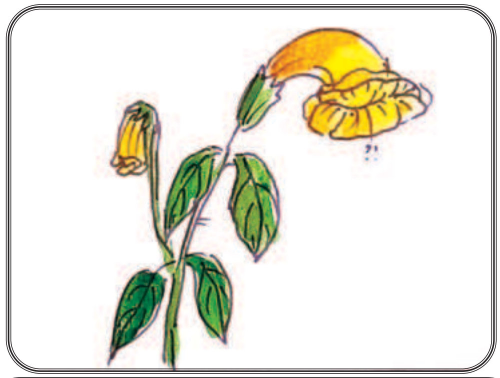

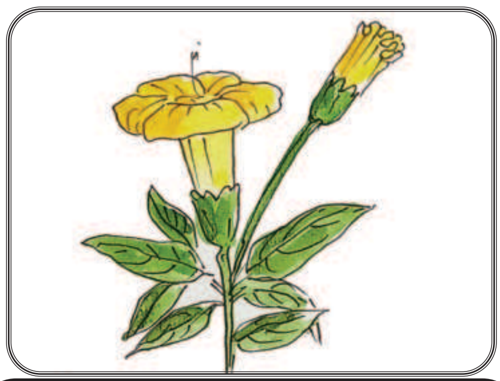

- जलता सूरज
- मुरझाया फूल
- पौधे को सींचना
- खिला हुआ फूल
- लड़की की खुशी

पोस्टर बनाएँ -

कचरा मुक्त केरल

यह धरती हमारी ही नहीं,
आने वाली पीढ़ियों की भी है।

धरती को बचाने के लिए हम क्या-क्या कर सकते हैं? प्रक्रियाओं की सूची तैयार करें।

घर में	स्कूल में	समाज में

मदद लें

सीगड़ी मछली सूखी क्यों नहीं ?

सीगड़ी मछली	ഒരു തരം മീൻ ஒருவகை மீன்	a type of fish ಒಂದು ತರದ ಮೀನು
मछुआरा	മീൻ പിടിക്കുന്ന ആൾ மீன் பிடிப்பவர்	fisherman ಬೆಸ್ತ
धूप	വെയിൽ வெயில்	sunshine ಬಿಸಿಲು
जाल	വല வலை	net ಬಲೆ
नाव	തോണി தோன்றியது	boat ದೋಣಿ
बची मछलियाँ	ബാക്കി വന്ന മത്സ്യങ്ങൾ மீதமான மீன்கள்	remaining fishes ಬಾಕಿಉಳಿದ ಮೀನುಗಳು
सुखा रही थी	ഉണക്കുകയായിരുന്നു உலரவைத்தல்	was drying ಒಣಗಿಸುತ್ತಿದ್ದವು
चटाई	വിരിപ്പ് போர்வை	mat ನೆಲಹಾಸು
पड़ा-पड़ा	കിടന്ന് படுத்து	lying ಬಿದ್ದುಬಿದ್ದು
चबूतरे	കൈവരി உயரம் குறைந்த சுவர்	a raised platform ಜಗಲಿ

सहला रही थी	തലോടുകയായിരുന്നു தடவினார்	was patting ಸವರಿಕೊಂಡಿರುವುದು
भगा रही थी	ഓടിക്കുകയായിരുന്നു ஓட்டினர்	was driving away ಓಡಿಸಿಕೊಂಡಿದ್ದರು
समेटकर	വാരിക്കൂട്ടി அள்ளிக்கொண்டு	gather / heap up ಒಟ್ಟುಸೇರಿಸಿ
छूकर देखा	തൊട്ടു നോക്കി தொட்டுப்பார்த்தார்	touched ಮುಟ್ಟಿನೋಡಿ
घास	പുല്ല് புல்	grass ಹುಲ್ಲು
बढ़ गई है	വളർന്നു வளர்ந்தது	grew ಬೆಳೆಯು
धूप के आड़े क्यों आई ?	വെയിലിനെ തടഞ്ഞതെന്തിന് ? why hinder the sunlight? வெயிலைத் தடுத்தது ஏன்? ಬಿಸಿಲನ್ನುತಡೆದುದು ಯಾಕೆ ?	
जवाब दिया	മറുപടി കൊടുത്തു பதில்கொடுத்தது	answered ಉತ್ತರ ಕೊಟ್ಟರು
बछड़ा	പശുക്കുട്ടി பசுவின் கன்று	calf ದನದ ಕರು
औरत	സ്ത്രീ பெண்	woman ಸ್ತ್ರೀ

रस्सी	കയർ கயிறு	rope ಬಳ್ಳಿ
नहीं खोली	അഴിച്ചില്ല அவிழ்க்கவில்லை	didn't untie ಬಿಡಿಸಲಿಲ್ಲ
चींटी	ഉറുമ്പ് எறும்பு	ant ಇರುವೆ
काटा	കടിച്ചു கடித்தது	bit ಕಚ್ಚು
राह रोकी	വഴി തടഞ്ഞു வழிமறித்தது	blocked the way ದಾರಿ ತಡೆದು
लपेट लो	മടക്കി എടുക്കൂ மடித்து எடு	fold ತಿರುಗಿ ತಗೊಳ್ಳಿ
जाने दो	പോകാൻ അനുവദിക്കൂ செல்ல அனுமதிக்கவும்	allow to go ಹೋಗಲು ಅನುಮತಿ ಕೊಡಿ
उठाया	എടുത്തു எடுத்தாள்	carried ತೆಗೆದುಕೊಂಡು
काटे बगैर	കടിക്കാതെ கடிக்காமல்	without biting ಕಚ್ಚದೆ
अंदर ले गई	അകത്ത് കൊണ്ട് പോയി உள்ளே கொண்டு சென்றாள் ಒಳಗೆ ತೆಗದುಕೊಂಡು ಹೋಗು	took inside

इकाई 3

ताना-बाना

ऐसी गुमटी (दुकान) आपने देखी है ?

मीठा संतरा

यायावर

मैं जब भी शिलांग में बिताए दिनों को याद करता हूँ तो मुझे बूढ़ी कांग याद आती है। वहाँ मैं मल्की हिल्स में रहता था। वह हमारे घर के पास ही छोटी सी गुमटी में बैठी मौसमी फल बेचती थी। संतरे, केले, प्लम, पाइनेपल व उबले शकरकंद, बिस्कुट, चॉकलेट व पीपरमेंट। स्कूली बच्चे उसके नियमित ग्राहक थे।

मैं भी उधर से जाते-आते उस दुकान से कुछ न कुछ खरीदता। थोड़ी गपशप भी करता। कभी-कभी उसके साथ उसकी पोती भी बैठी होती।

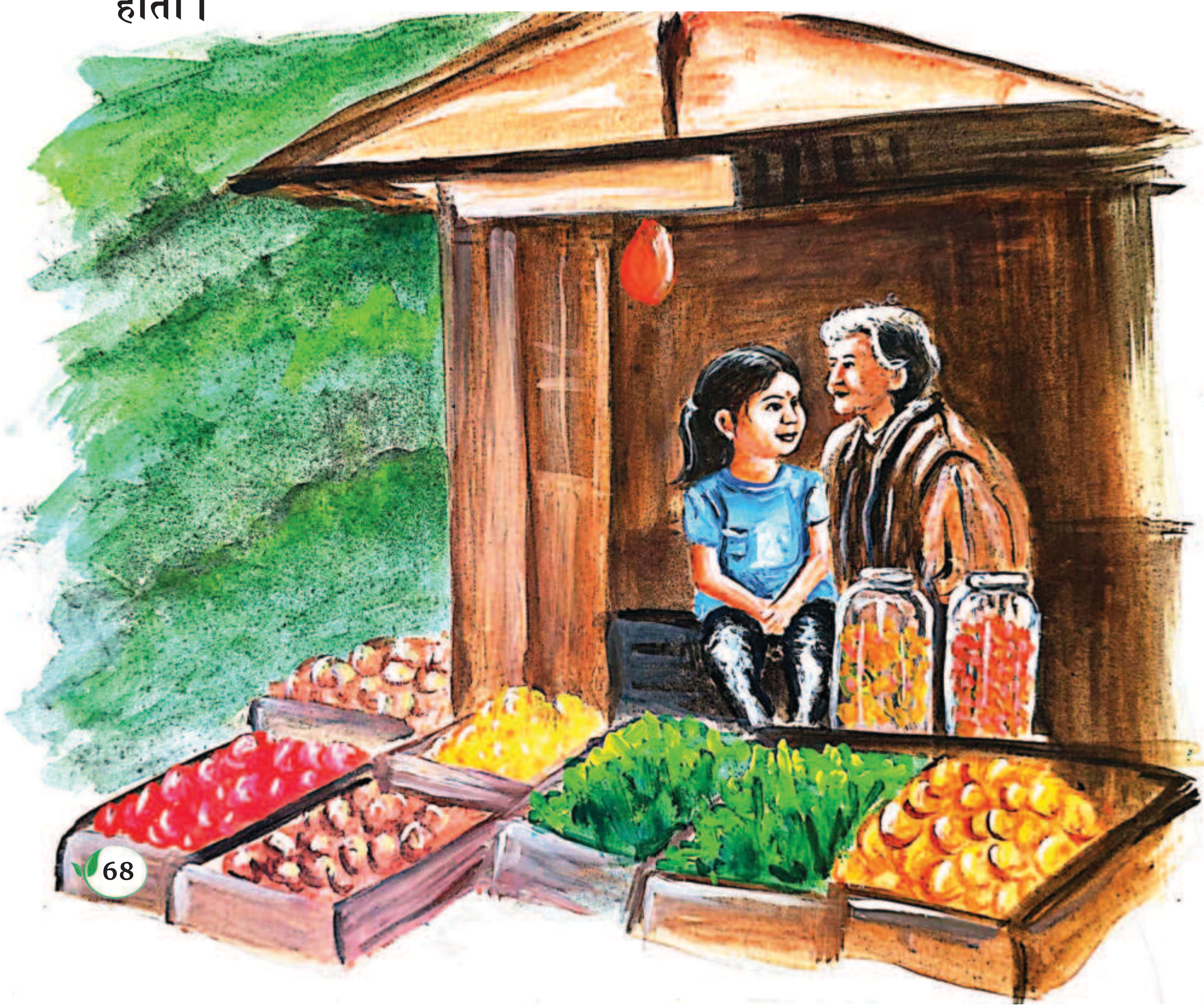

एक दिन मैं घर लौटते समय उधर से गुज़रा तो
उससे गपशप करने के लिए ठहर गया।
मैंने उससे पूछा, "संतरा मीठा है?"
उसने कहा, "हाँ, बहुत मीठा।"
मगर जब मैंने वही सवाल दुहराया तो वह बोली
"मीठा है तो क्यों नहीं मीठा होगा?"
"कितनी चीनी डाली?" मैंने पूछा।
वह समझ गई कि मैं मज़ाक कर रहा था।
बोली "एक पव्वा।"
मैंने कहा "एक पाव चीनी में तो ज़्यादा मीठा नहीं होगा!"

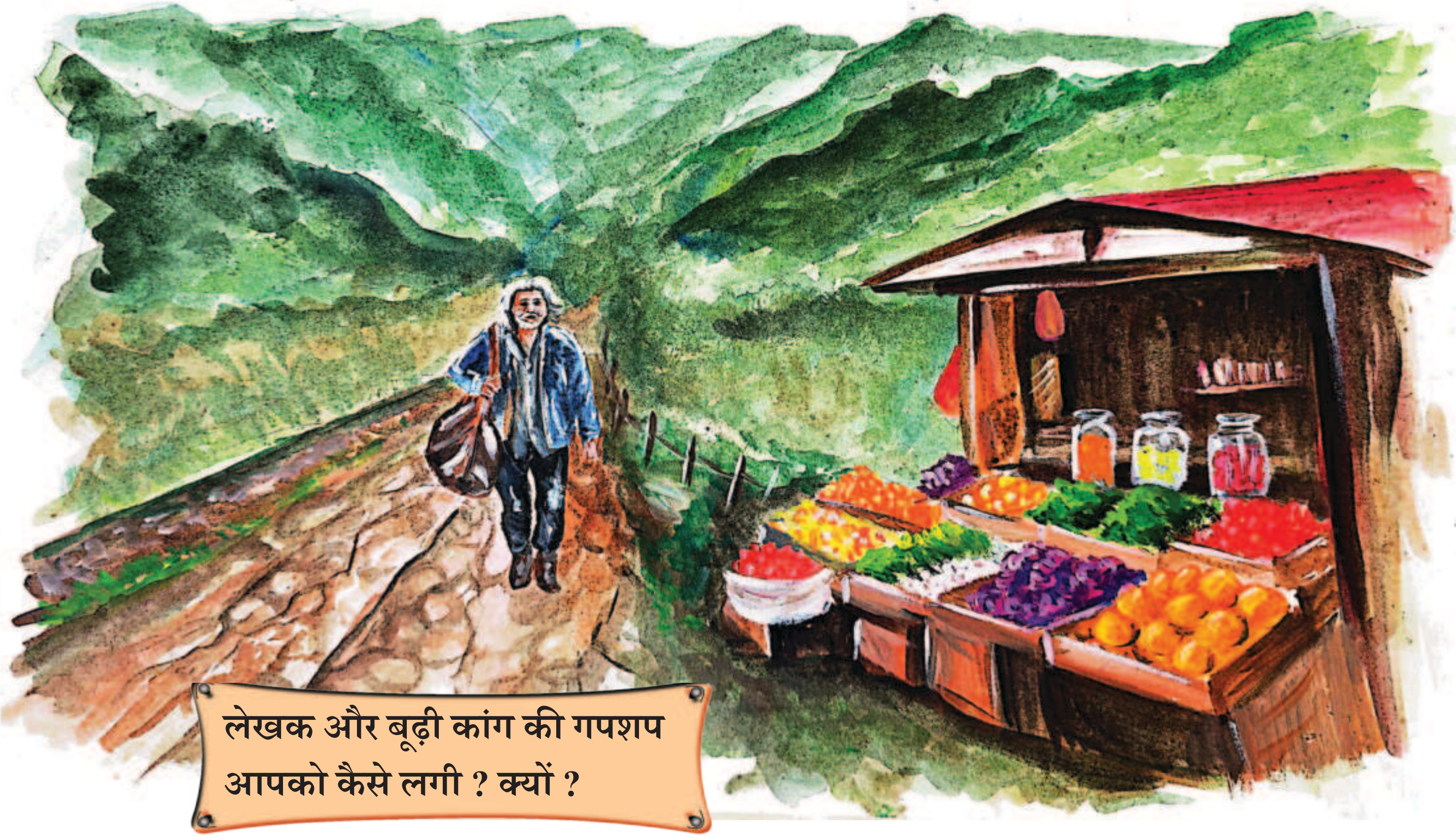

लेखक और बूढ़ी कांग की गपशप आपको कैसे लगी ? क्यों ?

वह हँसते हुए दो उँगलियाँ दिखाकर बोली "दो पव्वा।"

"हाँ, तब तो ज़रूर मीठा होगा।"

मैंने उससे कुछ संतरे खरीदे और घर चला आया।

कुछ समय बाद मैंने शिलांग छोड़ दिया और फिर बरसों मेरा उधर जाना नहीं हुआ।

लगभग बीस साल बाद मैं फिर शिलांग गया। मुझे उस बूढ़ी कांग की याद आई। उससे मिलने मैं फिर मल्की हिल्स पहुँचा। उसी जगह जहाँ वह छोटी सी गुमटी में बैठी हुई फल बेचती थी। दुकान तो वही थी, मगर वह वृद्धा कहीं नज़र नहीं आई। वहाँ एक युवती बैठी थी। उसके पास ही उसकी छोटी सी लड़की भी बैठी थी। दुकान वैसी ही थी जैसी वह अब से बीस साल पहले हुआ करती थी।

मैंने उस कांग से उस बूढ़ी महिला के बारे में पूछा। पता चला वह उसकी नानी थी जो अब नहीं रही। कुछ समय गपशप कर चलते समय संतरा लेने के ख्याल से हमेशा की तरह उससे पूछा,

"मीठा है?"

वह बोली, "बहुत मीठा है।"

मगर जब मैंने वही प्रश्न दुहराया तो वह थोड़ा नाराज़ होकर बोली

"मीठा है तो क्यों नहीं मीठा होगा?"

मैंने बरसों पुराना सवाल फिर उछाला "कितनी चीनी डाली?"

वह मुस्कराकर बोली, "एक पव्वा।"

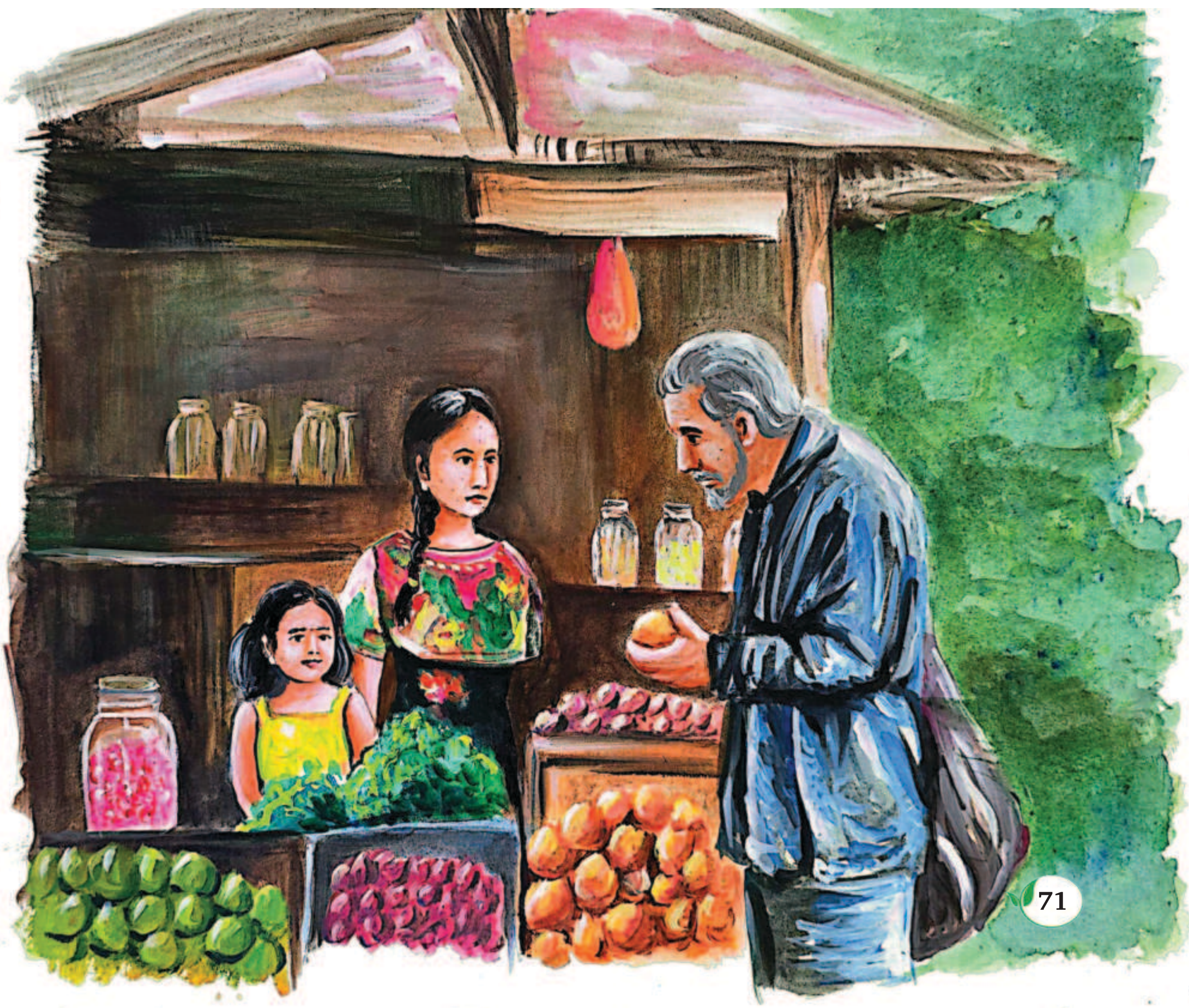

मैंने कहा "इतने में तो मीठा नहीं होगा।"
वह हँसने लगी। फिर दो उँगलियाँ दिखाकर बोली, "दो पव्वा।"
सुनकर मुझे भी हँसी आ गई। "तब तो ज़रूर मीठा होगा।"
मैंने संतरे लिए और पैसे उसकी तरफ़ बढ़ा दिए।
मगर उसने पैसा लेने से इनकार कर दिया।
शायद उसने मुझे पहचान लिया था। मैंने भी उस परी जैसी नन्ही-सी लड़की को पहचान लिया था जो अपनी नानी के पास बैठी होती थी।

युवती ने पैसा लेने से इनकार किया।- यहाँ युवती का कौन-सा मनोभाव प्रकट होता है?

आएँ, खरीदें -

लिखें, क्या-क्या हैं ?

लिखें, किसने कहा ?

युवती / लेखक

- "संतरा मीठा है ?"
- "एक पाव चीनी में तो ज़्यादा मीठा नहीं होगा।"
- "मीठा है तो क्यों नहीं मीठा होगा ?"
- "कितनी चीनी डाली ?"
- "एक पव्वा।"
- "हाँ, तब तो ज़रूर मीठा होगा।"
- "दो पव्वा।"
- "हाँ, बहुत मीठा।"

कहानी से गुज़रें, प्रस्ताव पर [×/✓] लगाएँ -

बीस साल बाद...

- लेखक शिलांग गया। [ ]
- गुमटी सूपर मार्कट बन गया। [ ]
- युवती के पास उसकी छोटी-सी लड़की भी बैठी थी। [ ]
- लेखक को बूढ़ी कांग की याद आई। [ ]
- गुमटी में वृद्धा नज़र आई। [ ]
- गुमटी में युवती अकेली बैठी थी। [ ]

एक दुकान का चित्र खींचें, रंग दें, नाम दें -

दुकान के बारे में लिखें -

पाठभाग से उचित शब्द ढूँढ़ें और लिखें -

वह हमारे घर के पास ही छोटी सी गुमटी में बैठी मौसमी फल बेचती थी। मैंने उस कांग से उस बूढ़ी महिला के बारे में पूछा।

छोटी सी गुमटी	बूढ़ी महिला
---------------------- संतरा	---------------------- कांग
---------------------- शकरकंद	---------------------- ग्राहक
---------------------- सवाल	---------------------- लड़की
---------------------- उँगलियाँ	

क्या 'मीठा संतरा' पाठ पसंद आया ?

टिप्पणी लिखें -

मेरी टिप्पणी में...	हाँ	नहीं
⇨ लेखक का परिचय दिया है।		
⇨ पात्रों के चरित्र का उल्लेख है।		
⇨ संवादों की विशेषता पर चर्चा की है।		
⇨ मन पसंद प्रसंगों का उल्लेख है।		
⇨ अपना विचार प्रकट किया है।		
⇨ शीर्षक लिखा है।		

अनुबद्ध कार्य :

सब्जियों और फलों के चित्र इकट्ठा करें, तालिका में नाम लिखें -

फल	सब्जी

एलबम तैयार करें -

मदद लें

मीठा संतरा

बिताए दिन	ചെലവഴിച്ച ദിവസങ്ങൾ	the days spent	செலவழித்த தினங்கள்	ಕಳೆದು ಹೋದ ದಿನಗಳು
याद	ഓർമ്മ	memory	நினைவு	ನೆನಪು
काँग	കച്ചവടക്കാരി	vendor	வியாபாரம் செய்பவள்	ವ್ಯಾಪಾರಿ ಮಹಿಳೆ
गुमटी	പെട്ടിക്കട	a temporary shop	சிறிய கடை	ಗೂಡಂಗಡಿ
मौसमी फल	അതതുകാലത്തെ പഴങ്ങൾ	seasonal fruits	அந்தந்தத் காலத்துப் பழங்கள்	ಋತುಗಳಿಗೆ ಅನುಗುಣವಾಗಿ ಸಿಗುವ ಹಣ್ಣುಗಳು
बेचती थी	വിറ്റിരുന്നു	used to sell	விற்றிருந்தாள்	ಮಾರಾಟಮಾಡಲಾಗುತ್ತಿತ್ತು
संतरा	ഓറഞ്ച്	orange	ஆரஞ்சு	ಕಿತ್ತಳೆ ಹಣ್ಣು
केला	വാഴപ്പഴം	banana	வாழைப்பழம்	ಬಾಳೆಹಣ್ಣು
प्लम	പ്ലം	plum	பிளம்	ಪ್ಲಮ್
उबले शकरकंद	പുഴുങ്ങിയ മധുരക്കിഴങ്ങ്	boiled sweet potato	வேகவைத்த சர்க்கரை வள்ளிக் கிழங்கு	ಬೇಯಿಸಿದ ಗೆಣಸು
पीपरमेंट	പെപ്പർമിന്റ്	peppermint	பெப்பர்மின்ட்	ಪೆಪ್ಪರ್ಮೆಂಟ್

नियमित ग्राहक	സ്ഥിരം ഉപഭോക്താക്കൾ	regular customers	எப்போதும் உள்ள நுகர்வோர்	ನಿತ್ಯಗ್ರಾಹಕರು
दुकान	കട	shop	கடை	ಅಂಗಡಿ
खरीदता	വാങ്ങുമായിരുന്നു	used to buy	வாங்குவார்	ತೆಗೊಳ್ಳುತ್ತಿದ್ದರು
गपशप करता	വർത്തമാനം പറയുമായിരുന്നു	used to chat with	பேசுவார்	ಮಾತುಕತೆ ನಡೆಸುತ್ತಿದ್ದರು
कभी -कभी	ചിലപ്പോൾ	sometimes	சிலவேளை	ಕೆಲವೊಮ್ಮೆ
पोती	ചെറുമകൾ	grand daughter	பேத்தி	ಮೊಮ್ಮಗಳು
लौटते समय	മടങ്ങി വരുമ്പോൾ	while returning	திரும்பி வரும்போது	ತಿರುಗಿ ಬರುವಾಗ
गुज़रा तो	കടന്നുപോയപ്പോൾ	while passing through	கடந்து சென்ற போது	ದಾಟಿಹೋಗುವಾಗ
ठहर गया	അല്പ നേരം നിന്നു	stopped for a while	சிறிது நேரம் நின்று	ಸ್ವಲ್ಪ ಸಮಯ ನಿಂತು
मीठा	മധുരമുള്ള	sweet	இனிமையான	ಸಿಹಿಯಾದ
सवाल	ചോദ്യം	question	வினா	ಪ್ರಶ್ನೆ
दुहराया	ആവർത്തിച്ചു	repeated	மீண்டும் கேட்டார்	ಆವರ್ತಿಸು
चीनी	പഞ്ചസാര	sugar	சர்க்கரை	ಸಕ್ಕರೆ
मज़ाक	തമാശ	joke	நகைச்சுவை	ತಮಾಷೆ

पव्वा	¼	quarter
ज़्यादा	കൂടുതൽ கூடுதல்	more ಹೆಚ್ಚು
उँगलियाँ	കൈ വിരലുകൾ கைவிரல்கள்	fingers ಕೈ ಬೆರಳುಗಳು
ज़रूर	തീർച്ചയായും கட்டாயமாக	surely ನಿಜವಾಗಿಯೂ
शिलांग छोड़ दिया	ഷില്ലോംഗ് വിട്ടുപോയി ஷில்லாங்கிலிருந்து திரும்பிச் சென்றான் ಶಿಲೋಂಗ್ ಬಿಟ್ಟುಹೋದರು	left shillong
बरसों	വർഷങ്ങളോളം பல வருடங்கள்	for years ವರ್ಷಗಳಿಂದ
लगभग	ഏകദേശം ஏகதேசம்	approximately ಸಾಧಾರಣ
साल	വർഷം வருடம்	year ವರ್ಷ
मिलने	കാണാൻ காண்பதற்கு	to meet ಕಾಣಲು
पहुँचा	എത്തി வந்தார்	reached ತಲುಪಿದೆ
उसी जगह	അതേ സ്ഥലത്ത് அந்த இடத்தில்	at the same place ಅದೇ ಸ್ಥಳದಲ್ಲಿ
मगर	പക്ഷേ ஆனால்	but ಆದರೆ
नज़र नहीं आई	കാണാൻ കഴിഞ്ഞില്ല காண இயலவில்லை	couldn’t see ಕಾಣಲು ಸಾಧ್ಯವಾಗಲಿಲ್ಲ
पता चला	മനസ്സിലാക്കാൻ കഴിഞ്ഞു புரிந்து கொள்ள முடிந்தது ತಿಳಿಯಲು ಸಾಧ್ಯವಾಯಿತು	understood

नानी	മുത്തശ്ശി (അമ്മയുടെ അമ്മ) பாட்டி(அம்மாவின் அம்மா) ಅಜ್ಜಿ (ಅಮ್ಮನ ಅಮ್ಮ)	maternal grandmother
ख्याल से	ഉദ്ദേശത്തോടെ நோக்கத்துடன்	with the aim of ಉದ್ದೇಶಪೂರ್ವಕವಾಗಿ
प्रश्न	ചോദ്യം வினா	question ಪ್ರಶ್ನೆ
नाराज़ होकर	ദേഷ്യപ്പെട്ട് கோபப்பட்டு	angrily ಕೋಪಗೊಂಡು
पुराना	പഴയ பழைய	old ಹಳೆಯ
सवाल उछाला	ചോദ്യമുയർത്തി வினா எழுப்பினர்	raised the question ಸವಾಲು ಎತ್ತಿಕೊಂಡು
मुस्कराकर	പുഞ്ചിരിയോടെ புன்சிரிப்புடன்	with a smile ಮುಗುಳ್ನಗೆಯಿಂದ
हँसने लगी	ചിരിക്കാൻ തുടങ്ങി சிரிக்கத்தொடங்கினாள் ನಗಲು ಪ್ರಾರಂಭವಾಯಿತು	started to laugh
उसकी तरफ़ बढ़ा दिए	അവളുടെ നേരെ നീട്ടി அவளிடம் நீட்டினான்	offered her ಅವಳ ಕಡೆ ತೋರಿಸಿ
इनकार कर दिया	നിരസിച്ചു மறுத்தார்	refused ತಿರಸ್ಕರಿಸು
शायद	ഒരു പക്ഷെ சிலவேளை	perhaps ಒಂದು ವೇಳೆ
पहचान लिया था	തിരിച്ചറിഞ്ഞു புரிந்துகொண்டார்	identified ಗುರುತಿಸಿಕೊಳ್ಳು
परी	മാലാഖ தேவதை	angel ದೇವತೆ
नन्ही-सी लड़की	കൊച്ചു പെൺകുട്ടി சிறு பெண்குழந்தை	a little girl ಸಣ್ಣ ಹುಡುಗಿ

कहानी

चलें !

सारिका ठाकुर

टुक्कू कई दिन से साइकिल की ज़िद कर रहा था।

अम्मा ने टुक्कू के लिए साइकिल और अपने लिए एक स्कूटी खरीद लीं।

"पर आपको तो स्कूटी चलाना नहीं आता?" टुक्कू ने अम्मा से पूछा।

"तुम्हें भी तो साइकिल चलाना नहीं आता।" अम्मा ने कहा।

"मैं सीख लूँगा धीरे-धीरे।" टुक्कू बोला।

"मैं भी सीख लूँगी धीरे-धीरे।" अम्मा हँसते हुए बोली।

उस रात दोनों को नींद न आई।

'उस रात दोनों को नींद न आई।' क्यों?

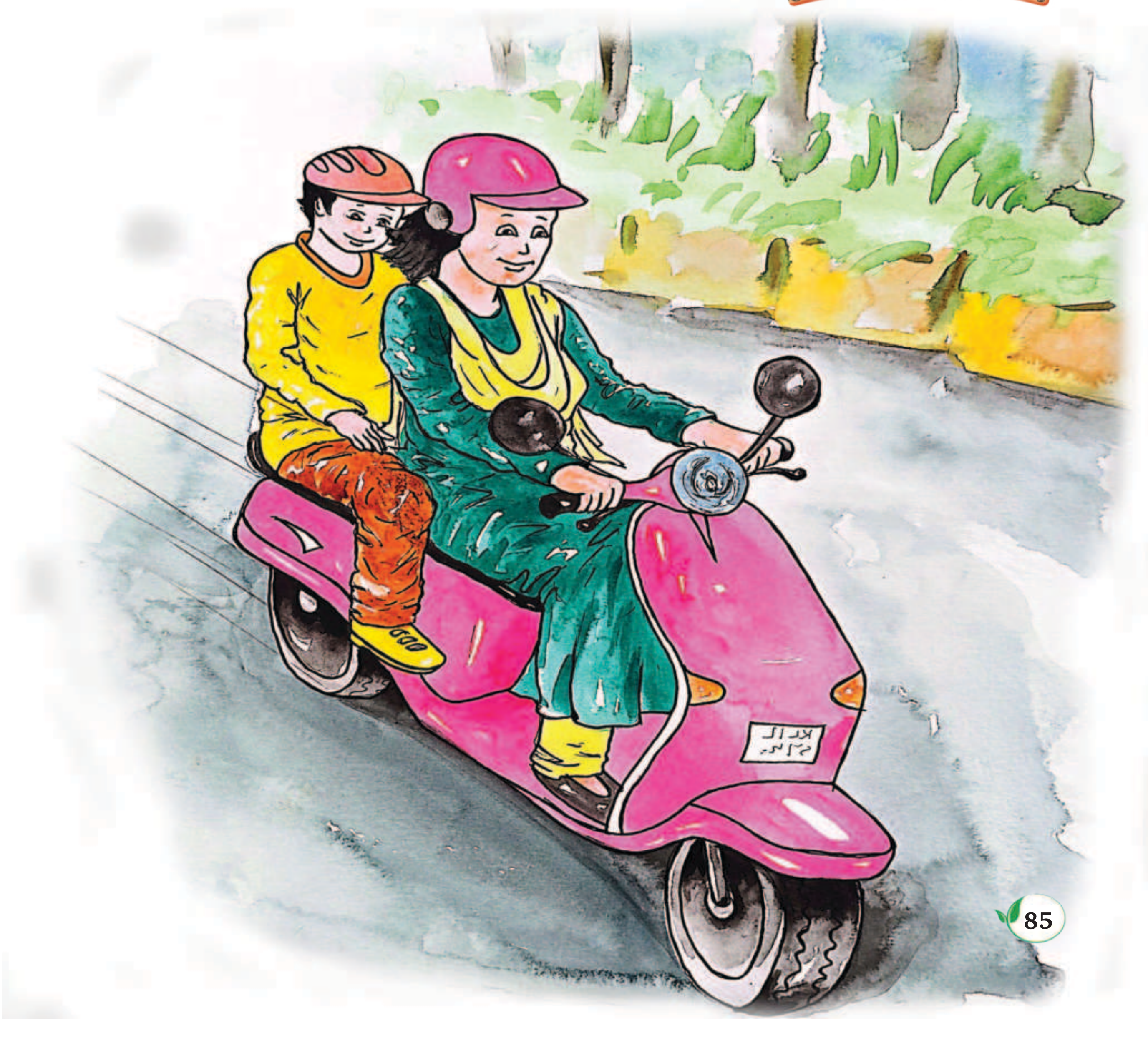

सुबह टुक्कू ने अपनी साइकिल निकाली और अम्मा ने अपनी स्कूटी।
"ज़्यादा दूर मत जाना।" अम्मा ने टुक्कू को समझाया।
"आप भी ज़्यादा दूर मत जाना।" टुक्कू ने अम्मा को समझाया।
टुक्कू ने पहले आधा पैडल मारा। आधा पैडल मारते-मारते सीट पर बैठने की कोशिश की। पर जैसे ही वो सीट पर बैठा, हैंडल घूमा। पाँव पैडल तक न पहुँचे। बैलेंस बिगड़ा।
साइकिल, टुक्कू दोनों गिर पड़े, धड़ाम !

"ज़्यादा दूर मत जाना।" अम्मा ने टुक्कू को समझाया।
"आप भी ज़्यादा दूर मत जाना।" टुक्कू ने अम्मा को समझाया।
यहाँ दोनों का कौन-सा मनोभाव प्रकट होता है ?

उधर अम्मा स्कूटी सीख रही थी। उन्होंने हैंडल को दोनों हाथों से कसकर थामा। बाएँ हाथ से ब्रेक दबाया। दाएँ हाथ से एक्सीलेरेटर घुमाया। पर स्कूटी वहीं खड़ी रही। फिर अम्मा ने ब्रेक छोड़ दिया। ब्रेक छोड़ते ही स्कूटी उछली और पिछले पहिए पर खड़ी हो गई।

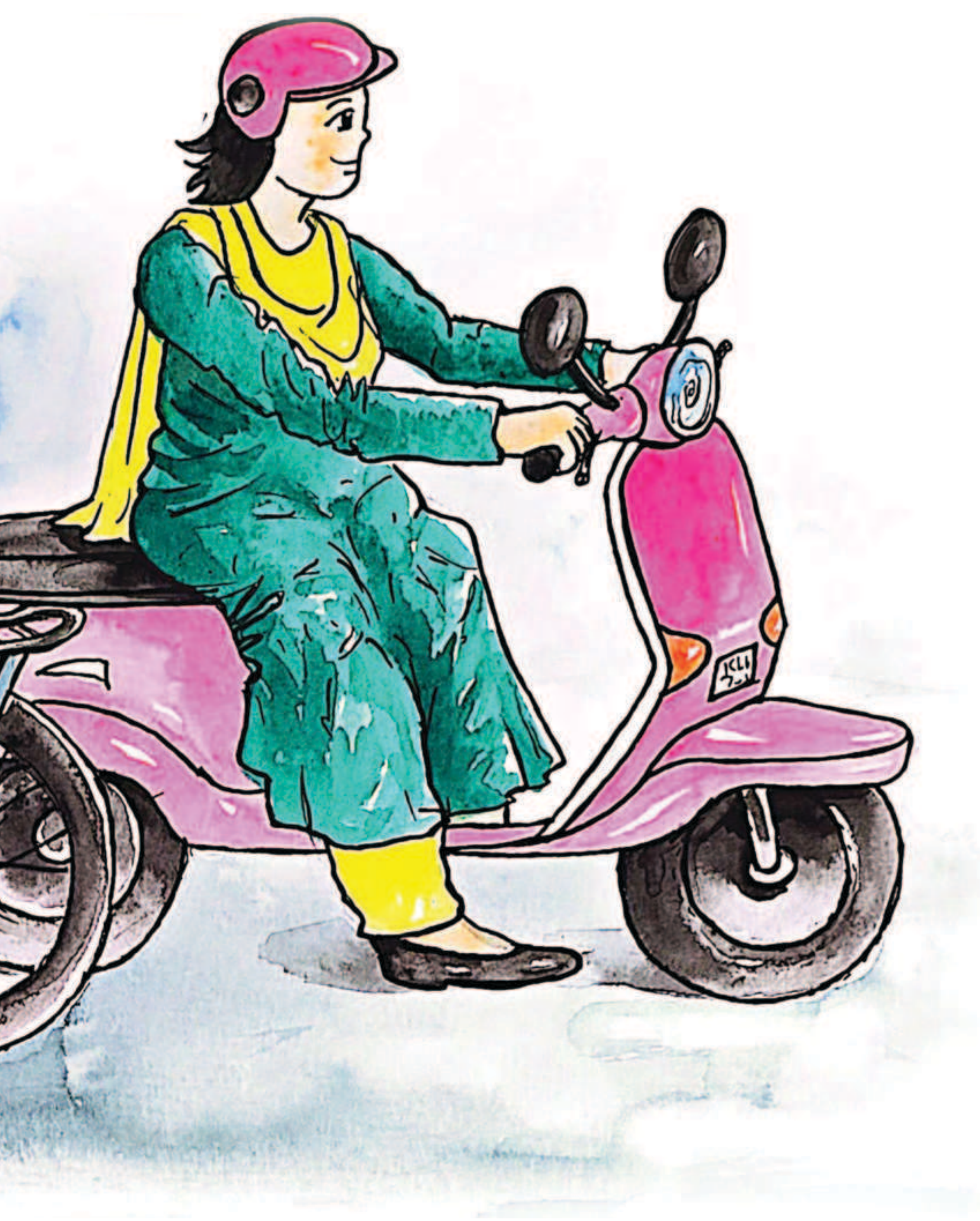

अम्मा और स्कूटी दोनों गिरीं, धड़ाम !
टुक्कू के सिर पर गूमड़ निकल आया।
अम्मा की कोहनी और घुटने छिल गए।
रात को दोनों बिस्तर पर लेटे थे।
अम्मा बोली, "अब नहीं चलाऊँगी स्कूटी।
लोग हँस रहे थे मुझे गिरता देखकर।"
"गिर गए तो क्या! मज़ा तो आया।"
टुक्कू बोला।

"गिर गए तो क्या! मज़ा तो आया।"
ऐसा कोई अनुभव आपको है? बताएँ।

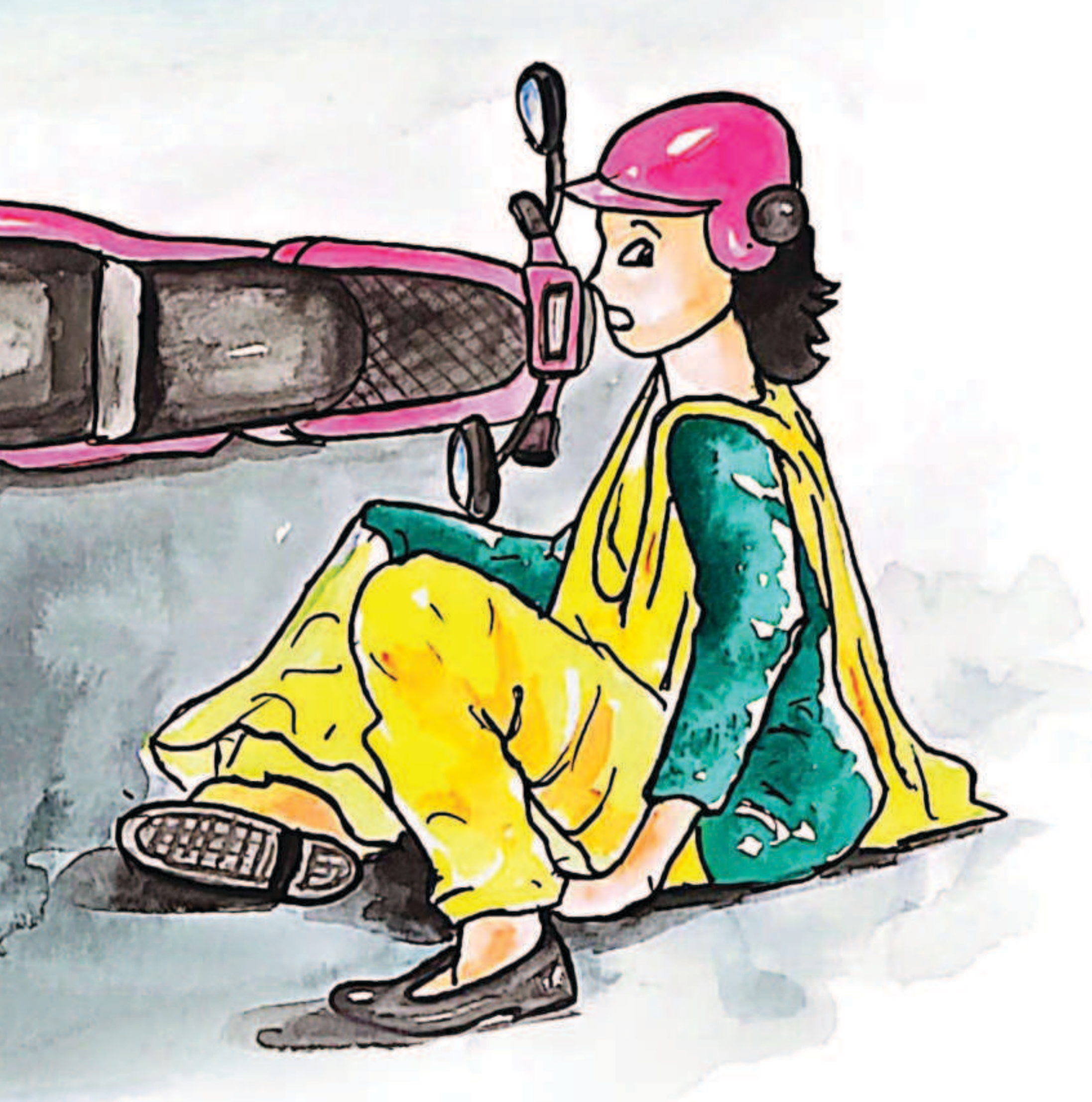

"बात तो सही है।
स्कूटी पर बैठकर मुझे लगा कि मैं हवा में तैर रही हूँ।"
दोनों ने तय किया कि कल फिर कोशिश करेंगे।
दोनों एक-दूसरे के गले में बाँहें डालकर सो गए।
अम्मा ने सपना देखा, वो टुक्कू को स्कूटी पर बिठाए स्कूल छोड़ने जा रही है। उसी वक्त टुक्कू भी एक सपना देख रहा था कि वो अम्मा को साइकिल पर बिठाकर बाज़ार घुमा रहा है।

क्रम में लिखें -

- अम्मा ने सपना देखा वो टुक्कू को स्कूटी पर बिठाए स्कूल छोड़ने जा रही है।
- अम्मा ने टुक्कू के लिए साइकिल और अपने लिए एक स्कूटी खरीद लीं।
- अम्मा की कोहनी और घुटने छिल गए।
- अम्मा और टुक्कू एक-दूसरे के गले में बाँहें डालकर सो गए।
- साइकिल, टुक्कू दोनों गिर पड़े।
- सुबह टुक्कू ने अपनी साइकिल निकाली और अम्मा ने अपनी स्कूटी।

- अम्मा ने टुक्कू के लिए साइकिल और अपने लिए एक स्कूटी खरीद लीं।
- --
- --
- --
- --
- --

समर्थन करें [✓] सही वाक्य चुनकर लिखें -

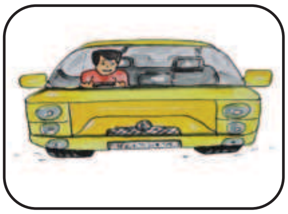 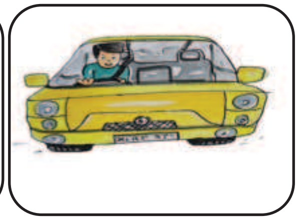

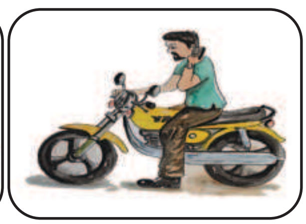

कार चलाते समय
सीट बेल्ट पहनें ।

गाड़ी चलाते समय
मोबाइल का इस्तेमाल न करें ।

बाइक चलाते समय
हेलमेट पहनें ।

एक बाइक में दो ही सवार हों ।

टुक्कू की डायरी लिखें -

- स्कूटर और साइकिल खरीदना।
- रात में नींद नहीं आना।
- सुबह साइकिल और स्कूटर निकालना।
- टुक्कू और अम्मा का आपसी परवाह करना।
- स्कूटर से और साइकिल से गिरना।
- दोनों को मज़ा आना।
- आगे का सपना देखना।

मेरी डायरी में...	हाँ	नहीं
तारीख है।		
घटनाओं का उल्लेख है।		
आत्मनिष्ठ भाषा है।		
अपना विचार है।		

लिखें, चित्र क्या कह रहा है ?

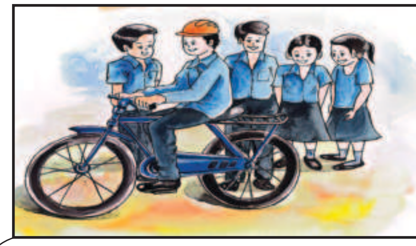

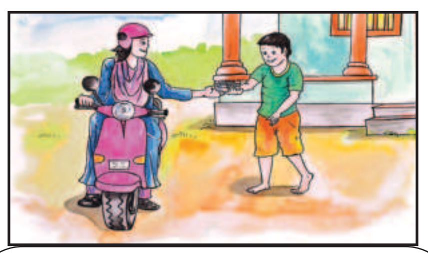

- स्कूटर पर बैठी अम्मा को टुक्कू टिफिन बॉक्स देता है।
- साइकिल पर बैठे टुक्कू को अम्मा टाटा देती है।
- टुक्कू के चारों ओर उसके दोस्त खड़े हैं।
- स्कूल के सामने अम्मा और टुक्कू स्कूटर पर बैठे हैं।
- टुक्कू अम्मा को साइकिल पर बिठाकर जाता है।

कहानी को आगे बढ़ाएँ -

अम्मा ने सपना देखा, वो टुक्कू को स्कूटी पर बिठाए स्कूल छोड़ने जा रही है। उसी वक्त टुक्कू भी एक सपना देख रहा था कि वो अम्मा को साइकिल पर बिठाकर बाज़ार घुमा रहा है।

आगे क्या हुआ होगा ?

मदद लें

चलें

उँगलियाँ	കൈ വിരലുകൾ கைவிரல்கள்	fingers ಕೈ ಬೆರಳುಗಳು
ज़िद करना	വാശി പിടിക്കുക பிடிவாதம் பிடித்தல்	to be stubborn ಹಟ ಹಿಡಿಯು
खरीद ली	വാങ്ങിച്ചു வாங்கினாள்	bought ತೆಗೊಳ್ಳು
सीख लूँगा	പഠിക്കാം கற்கலாம்	shall learn ಕಲಿಯುವ
धीर -धीरे	മെല്ലെ മെല്ലെ மெல்லமெல்ல	slowly ಮೆಲ್ಲಮೆಲ್ಲನೆ
हँसते हुए	ചിരിച്ചു കൊണ്ട് சிரித்துக்கொண்டு	laughingly ನಗಾಡಿಕೊಂಡು
नींद	ഉറക്കം தூக்கம்	sleep ನಿದ್ರೆ
ज़्यादा	കൂടുതൽ கூடுதல்	more ಹೆಚ್ಚು
समझाया	മനസ്സിലാക്കിച്ചു புரிந்துகொள்ளச் செய்தான் ಅರ್ಥಮಾಡಿಕೊಟ್ಟ	made aware of
आधा पैडल मारा	പെഡൽ ഭാഗികമായി അമർത്തി pressed the pedal partially பெடலை சிறிது அமர்த்தினான் ಪೆಡಲನು ಭಾಗಿಕವಾಗಿ ಒತ್ತಿಕೊಂಡು	
कोशिश की	ശ്രമിച്ചു முயற்சித்தான்	tried ಪ್ರಯತ್ನಮಾಡು

Hindi	Malayalam	English	Tamil	Kannada
हैंडल घूमा	ഹാൻഡിൽ തിരിച്ചു	turned the handle	ஹான்டிலைத் திருப்பினான்	ಹ್ಯಾಂಡಲನ್ನು ತಿರುಗಿಸಿ
पाँव	കാല്	leg	கால்	ಕಾಲು
बैलंस बिगड़ा	ബാലൻസ് തെറ്റി	lost balance	சமநிலை தவறியது	ನಿಯಂತ್ರಣ ತಪ್ಪಿ
कसकर थामा	മുറുകെ പിടിച്ചു	held tightly	இறுக்கமாகப் பிடித்தான்	ಗಟ್ಟಿಯಾಗಿ ಹಿಡಿದು
बाएँ हाथ से	ഇടതു കൈ കൊണ്ട്	with left hand	இடது கையால்	ಎಡ ಕೈಯಿಂದ
ब्रेक दबाया	ബ്രേക്ക് അമർത്തി	applied the brakes	பிரேக்கை அமர்த்தினாள்	ಬ್ರೇಕ್ ಒತ್ತಿ
दाएँ हाथ से	വലതു കൈ കൊണ്ട്	with right hand	வலது கையினால்	ಬಲ ಕೈಯಿಂದ
एक्सिलरेटर घुमाया	ആക്സിലറേറ്റർ തിരിച്ചു	turned the accelerator	ஆக்ஸிலரேட்டரைத் திருப்பினாள்	ಆಕ್ಸಿಲೇಟರ್ ತಿರುಗಿಸಿ
ब्रेक छोड़ दिया	ബ്രേക്ക് വിട്ടു	released the brake	பிரேக்கை விட்டாள்	ಬ್ರೇಕ್ ಬಿಟ್ಟು
उछली	കുതിച്ചു	jumped	குதித்தது	ಹಾರಿತು
पिछले पहिए	പിൻചക്രം	back wheel	பின்புற சக்கரம்	ಹಿಂದಿನ ಚಕ್ರ
गूमड़ निकल आया	മുഴച്ച് പൊങ്ങി	swelled up	வீங்கியது	ಬಾಸುಂಡೆ ಎದ್ದುಬಂತು

कोहनी और घुटने छिल गए	കൈമുട്ടിലെയും കാൽമുട്ടിലെയും തൊലി ഉരഞ്ഞ് ഇളകി the skin at the elbow and knee was scratched கை கால் மூட்டிலுள்ள தோல் உராய்ந்து இளகியது ಕೈಗಂಟು ಮತ್ತು ಕಾಲು ಗಂಟಿನ ಸಿಪ್ಪೆ ಹೋಯಿತು	
बिस्तर	കിടക്ക படுக்கை	bed ಹಾಸಿಗೆ
लेटे थे	കിടക്കുകയായിരുന്നു படுத்திருந்தனர்	were lying down ಮಲಗಿಕೊಂಡಿದ್ದ
मज़ा आया	രസിച്ചു இரசித்தார்கள்	enjoyed ಸಂತೋಷವಾಯಿತು
हवा में तैरना	കാറ്റത്ത് പറക്കുക காற்றில் பறந்தது	fly in the wind ಗಾಳಿಯಲಿ ಹಾರು
तय किया	തീരുമാനിച്ചു தீர்மானித்தார்	decided ತಲುಪಿದೆ
गले में बाँहें डालकर	കഴുത്തിൽ കൈകൾ ഇട്ടു കൊണ്ട് put hands around the neck கழுத்தில் கைகளை இட்டுக் கொண்டு ಕೈಗಳನು ಕೊರಳಿಗೆ ಅಪ್ಪಿ ಹಿಡಿದುಕೊಂಡು	
सपना	സ്വപ്നം கனவு	dream ಕನಸು
बिठाए	ഇരുത്തിക്കൊണ്ട് அமர வைத்து	made to sit ಕುಳ್ಳಿರಿಸಿಕೊಂಡು
वक्त	സമയം நேரம்	time ಸಮಯ
बाज़ार	ചന്ത சந்தை	market ಸಂತೆ

इकाई 1

पाठ भाग से शब्द चुनें और खंभे में लिखें।

शब्द का पहला अक्षर छोटे खंभे में लिखें।

च	चलना		
आ	आसमान		

इकाई 2

पाठ भाग से शब्द चुनें और खंभे में लिखें।

शब्द का पहला अक्षर छोटे खंभे में लिखें।

इकाई 3

पाठ भाग से शब्द चुनें और खंभे में लिखें।

शब्द का पहला अक्षर छोटे खंभे में लिखें।

हरिवंश राय बच्चन

जन्म : 1907 इलाहाबाद

कार्यक्षेत्र : अध्यापन, कविता, आत्मकथा, संस्मरण एवं निबंध लेखन

रचनाएँ : मधुशाला, मधुबाला, मधुकलश, बंगाल का काल, बुद्‌ध और नाचघर, नीड़ का निर्माण फिर, क्या भूलूँ क्या याद करूँ आदि

पुरस्कार : साहित्य अकादमी पुरस्कार, सोवियत लैंड नेहरू पुरस्कार, सरस्वती सम्मान और 1976 में पद्‌मभूषण से सम्मानित।

उल्लेखनीय कार्य : इलाहाबाद विश्वविद्यालय में अंग्रेज़ी का अध्यापक
भारत सरकार के विदेश मंत्रालय में हिंदी विशेषज्ञ
राज्य सभा के मनोनीत सदस्य

मृत्यु : 2003 में

पारो आनंद

जन्म : 1957

कार्य क्षेत्र : बाल साहित्य, नाटक, उपन्यास एवं लघु कथा

रचनाएँ : वाइल्ड चाइल्ड एंड अदर स्टोरीस, नो गन्स एंड मई सन्स फ्यूनरल

पुरस्कार : साहित्य अकादमी बाल साहित्य पुरस्कार, कलिंग करुबाकी पुरस्कार

उल्लेखनीय कार्य : नेशनल बुक ट्रस्ट इंडिया में बच्चों के साहित्य के लिए राष्ट्रीय बाल साहित्य केंद्र का नेतृत्व किया।

श्रीप्रसाद

जन्म : 1932

कार्यक्षेत्र : बाल साहित्य, कविता, कहानी और नाटक

रचनाएँ : मेरा साथी घोड़ा, खिड़की से सूरज, आ री कोयल, चिड़ियाघर की सैर, आँगन के फूल आदि

पुरस्कार : बालसाहित्य भारती सम्मान

निधन : 2012

पंजे मंगेशकर राव

जन्म : 1874 कर्नाटक

कार्यक्षेत्र : बाल साहित्य, निबंध, कविता, लघु कथा, अनुवाद

रचनाएँ : नागाराहावे (सांप)

निधन : 1937

यायावर

कार्यक्षेत्र : बाल साहित्य, कहानी, संस्मरण

रचनाएँ : मीठा संतरा।

सारिका ठाकुर (गुलसारिका ठाकुर)

जन्म : 1970

कार्यक्षेत्र : बाल साहित्य, अनुवाद, पत्रकारिता, पटकथा लेखन

जन्म स्थान: दरभंगा, बिहार

शिक्षा : तीन विषयों (दर्शन शास्त्र, समाज शास्त्र एवं पत्रकारिता) में स्नातकोत्तर की उपाधि

रचनाएँ : मेरी बीरहखड़ी, पर्यटन संदर्भ अद्वितीय मध्यप्रदेश, पर्यटन संदर्भ अतुलनीय छत्तीसगढ़।

उल्लेखनीय कार्य : बाल पत्रिका 'चकमक" का सह संपादक।

भारत का संविधान

भाग 4 क

अनुच्छेद 51 क

मूल कर्तव्य-

भारत के प्रत्येक नागरिक का यह कर्तव्य होगा कि वह -

क) संविधान का पालन करे और उसके आदर्शों, संस्थाओं, राष्ट्रध्वज और राष्ट्रगान का आदर करे,

ख) स्वतंत्रता के लिए हमारे राष्ट्रीय आंदोलन को प्रेरित करनेवाले उच्च आदर्शों को हृदय में संजोए रखे और उनका पालन करे,

ग) भारत की संप्रभुता, एकता और अखंडता की रक्षा करे और अक्षुण्ण बनाए रखे,

घ) देश की रक्षा करे और आह्वान किए जाने पर राष्ट्र की सेवा करे,

ङ) भारत के सभी लोगों में समरसता और समान भ्रातृत्व की भावना का निर्माण करे जो धर्म, भाषा और प्रदेश या वर्ग पर आधारित सभी भेद-भावों से परे हो, ऐसी प्रथाओं का त्याग करे, जो महिलाओं के सम्मान के विरुद्ध हों,

च) हमारी सामासिक संस्कृति की गौरवशाली परंपरा का महत्व समझे और उनका परिरक्षण करे,

छ) प्राकृतिक पर्यावरण की, जिसके अंतर्गत वन, झील, नदी और वन्यजीव हैं, रक्षा करे और उसका संवर्धन करे तथा प्राणिमात्र के प्रति दयाभाव रखे,

ज) वैज्ञानिक दृष्टिकोण, मानववाद और ज्ञानार्जन तथा सुधार की भावना का विकास करे,

झ) सार्वजनिक संपत्ति को सुरक्षित रखे और हिंसा से दूर रहे,

ञ) व्यक्तिगत और सामूहिक गतिविधियों के सभी क्षेत्रों में उत्कर्ष की ओर बढ़ने का सतत प्रयास करे, जिससे राष्ट्र निरंतर बढ़ते हुए प्रयत्न और उपलब्धि की नई ऊँचाइयों को छू सके, और

ट) छह और चौदह साल के बीच के अपने बच्चे/बच्ची को या अपने संरक्षण में रहनेवाले बच्चे / बच्ची को उसके माता-पिता या अभिभावक तदनुकूल शिक्षा प्रदान करने का अवसर दें।

बच्चों के हक

प्यारे बच्चो,

क्या आप जानना चाहेंगे कि आपके क्या-क्या हक हैं? अधिकारों का ज्ञान आपको सहभागिता, संरक्षण, सामाजिक नीति आदि सुनिश्चित करने की प्रेरणा तथा प्रोत्साहन देगा। आपके अधिकारों के संरक्षण के लिए अब एक आयोग है- केरल राज्य बालाधिकार संरक्षण आयोग।देखें, आपके क्या-क्या हक हैं-

- अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का हक
- व्यक्तिगत स्वतंत्रता के साथ जीने का हक
- उत्तरजीविता का एवं सर्वांगीण विकास का हक
- धर्म, जाति, वर्ग एवं वर्ण की संकीर्णता से बढ़कर आदर पाने एवं मान्यता प्राप्त करने का हक
- मानसिक, शारीरिक एवं लिंगपरक अतिक्रमण से परिरक्षण पाने का हक
- भागीदारी का हक
- बालश्रम से एवं खतरनाक पेशों से मुक्ति का हक
- बाल विवाह से परिरक्षण पाने का हक
- अपनी संस्कृति जानने एवं तदनुरूप जीने का हक
- उपेक्षाओं से परिरक्षण पाने का हक
- मुफ़्त तथा ज़बरदस्त शिक्षा पाने का हक
- खेलने तथा पढ़ने का हक
- सुरक्षित एवं प्रेमयुक्त परिवार तथा समाज में जीने का हक

कुछ दायित्व

- स्कूल एवं सार्वजनिक संस्थाओं का परिरक्षण करना।
- स्कूल एवं शैक्षिक प्रक्रियाओं में समय की पाबंदी रखना।
- अपने माता-पिता, अध्यापक, स्कूल के अधिकारी तथा मित्रों का आदर करना और उन्हें मानना।
- जाति-धर्म-वर्ग-वर्ण की संकीर्णताओं से बढ़कर दूसरों का आदर एवं सम्मान करना।

Contact Address:

Kerala State Commission for Protection of Child Rights
'Sree Ganesh', T. C. 14/2036, Vanross Junction
Kerala University P. O., Thiruvananthapuram- 34, Phone: 0471-2326603
Email: childrights.cpcr@kerala.gov.in, rte.cpcr@kerala.gov.in
Website: www.kescpcr.kerala.gov.in

Child Helpline 1098, Crime Stopper 1090, Nirbhaya - 1800 425 1400
Kerala Police Helpline 0471-3243000/44000/45000

Online R. T. E Monitoring: www.nireekshana.org.in